संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 190
पृष्ठ 8
मंगलवार
31 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ठंडक देने वाला गोंद कतीरा...

विचार- खाड़ी देशों के युद्ध के परिणाम...

खेल- तीन साल की उम्र में मां का निधन...

सीएम योगी ने कहा-

नई शिक्षा नीति में आंगनबाड़ी केंद्रों पर बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा– अगर आंगनबाड़ी केंद्र स्मार्ट होगा तो आपका मानदेय भी स्मार्ट होना चाहिए। इसलिए मैंने विभाग से कह दिया है कि जल्द–से–जल्द मानदेय बढ़ाने का प्रस्ताव लाएं। बड़ा समारोह कर सम्मानजनक मानदेय दें। सम्मानजनक मतलब न्यूनतम मानदेय की गारंटी मिलनी चाहिए। दरअसल, प्रदेश में 1.89 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। इन्हें 8000 रुपए महीना मानदेय मिलता है। ऐसे ही 1.39 लाख सहायिकाओं को 4000 रुपए महीना मानदेय मिलता है। सूत्रों के मुताबिक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय 4000 और सहायिकाओं का मानदेय 3000 रुपए तक बढ़ाया जा सकता है। योगी सरकार ने पिछली सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा– 2017 के पहले पोषाहार का वितरण उत्तर भारत का सबसे बड़ा शराब माफिया करता था। सरकार ने पैसा लेकर इसका ठेका दिया था। मैं भौचक

था कि शराब माफिया महिला एवं बाल विकास में घुसा हुआ है। मैंने पूछा शराब माफिया का यहां क्या काम। यह पाप कौन करता था, यह वही लोग हैं, जो जाति के नाम पर समाज को बांटकर समाज को खराब करते हैं, बच्चों के पोषाहर पर डाका डालते हैं। इससे पहले, योगी ने लोकभवन में 69,804 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को स्मार्टफोन बांटे। 2 लाख से ज्यादा ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस वितरित किए। 18,440 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इसके अलावा, सीएम ने आंगनबाड़ी केंद्रों की नई डिजाइन लॉन्च की। 450 करोड़ की लागत से 3170 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों और 140 बाल विकास परियोजना कार्यालय भवनों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सम्मानजनक मानेदय मिलेगा योगी ने कहा कि पहले जितने भी आउटसोर्स कर्मचारी एजेंसियां थीं, वह कोई माफिया या नेता संचालित करते थे। कर्मचारियों का शोषण करते थे। सरकार से कर्मचारी के लिए 10–12 हजार पाते थे, लेकिन पांच या छह हजार देते थे। वह सरकार से भी लेते थे, कर्मचारी से भी लेते थे। इसके अलावा नियुक्ति के समय भी पैसा लेते थे। योगी ने कहा कि अब हमने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक कॉरपोरेशन गठित किया है। मैंने विभाग को बुलाकर सख्ती से कह रखा है कि अप्रैल से इस व्यवस्था को हर हाल में लागू करने की तैयारी करें। हम शोषण मुक्त व्यवस्था बनाएंगे। सम्मानजनक मानदेय देंगे। क्योंकि बच्चे कुपोषित थे सीएम ने कहा– 2017 से पहले पोषाहार पर शराब माफिया के माध्यम से डकैती डाली जाती थी। कहीं पोषाहार पहुंचता था, कहीं नहीं पहुंचता था। इतनी खराब गुणवत्ता थी कि खाने की स्थिति नहीं थी, इसलिए यूपी बीमारू था। जब बचपन ही कुपोषित हो तो राज्य बीमारू होना ही था। नियुक्तियों में पर्ची और खर्ची चलती थी उन्होंने कहा– आज जितनी नियुक्तियां हुईं हैं, मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि एक भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने न तो सिफारिश कराई होगी, न किसी को पैसा दिया होगा। क्या यह 2017 के पहले संभव था। यदि उस समय प्रक्रिया शुरू हुई होती तो एक का भी चयन नहीं होता, क्योंकि आप पैसा नहीं दे सकती थीं। सिफारिश और पैसा दोनों चलता था, पर्ची और खर्ची भी चलती थी। तब ये लोग प्रदेश के साथ सौदेबाजी करते थे, गरीबों के हक पर डकैती डालते थे। कुपोषित मां और बच्चों के हक पर डकैती डालते थे। आज मंच पर खड़े होकर ये लोग भाषण देते हैं तो हमें उन पर हंसी आती है। मैं 4 साल से विभाग को स्मार्ट बनाने में लगा था सीएम ने कहा– पिछले 4 वर्ष से विभाग के साथ काम कर रहा हूं कि हर कार्यकत्री के पास स्मार्टफोन होना चाहिए। वे जो करती हैं, उसका रियल टाइम डेटा हमें समय पर नहीं मिल पाता है। इसलिए हमारी रैंकिंग नीचे चली जाती है। इसलिए आवश्यक है कि उनके पास स्मार्टफोन हो और वे इसमें पारंगत हों। नई शिक्षा नीति में 3 से 5 वर्ष के लिए आंगनबाड़ी केंद्र में ही प्री–प्राइमरी स्कूल का संचालन होना है। इसलिए आपकी भूमिका कितनी बढ़ने वाली है। पहले केंद्र जो बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूल परिसर में चलते थे।

असम में शांति और विकास के लिए भाजपा की हैट्रिक जरूरी : पीएम मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम के भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि राज्य ने लंबे समय तक अस्थिरता और हिंसा का दौर देखा है, लेकिन पिछले एक दशक में स्थितियां बदली हैं। मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि भाजपा की डबल–इंजन सरकार ने राज्य में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जनता को याद दिलाएं कि कांग्रेस के शासनकाल में समझौते केवल कागजों तक सीमित थे और सुर्खियां बटोरने के लिए किए जाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बोडो मुद्दे के साथ विश्वासघात किया, जिससे युवाओं को अशांति की ओर धकेला गया। मोदी ने कहा, हमने वह दौर देखा है जब असम हिंसा की आग में जल रहा था, लेकिन आज राज्य में एक नया आत्मविश्वास दिख रहा है। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते कर उग्रवाद को समाप्त किया है। आगामी चुनाव के मद्देनजर पीएम मोदी ने पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को विशेष रूप से सतर्क करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं को कांग्रेस के कुशासन के बारे में बताना जरूरी है ताकि वे समझ सकें कि एक छोटी सी गलती राज्य को फिर से दशकों पीछे धकेल सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि किसी भी राज्य के विकास के लिए शांति पहली प्राथमिकता होती है और भाजपा ने इसे जमीन पर उतारा है। प्रधानमंत्री ने तकनीक के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए असम भाजपा के कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि वे एआई से बने फर्जी वीडियो और भ्रामक प्रचार से लोगों को सावधान करें। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान विपक्ष भ्रम फैलाने के लिए तकनीक का सहारा ले सकता है। गौरतलब है कि असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जहां भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ने खुद को एक सामान्य कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि वे भी बूथ स्तर की मजबूती के संकल्प से भरे हुए हैं।

ईंधन संकट और लॉकडाउन की अफवाह के बीच भरोसा कायम रखना चुनौती, सरकार पारदर्शिता पर दे ध्यान

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली महायुति सरकार को जनता को धमकाने के बजाय पारदर्शिता के साथ देश के ऊर्जा भंडार की जानकारी देनी चाहिए। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में आरोप लगाया गया कि वर्तमान ईंधन संकट की अफवाहें गुजरात से शुरू हुईं, जो प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री का गृह राज्य है। संपादकीय में कहा गया कि गुजरात में पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों पर कई किलोमीटर लंबी कतारें लगी हुई हैं, जहां लोग नीले पानी के ड्रम में ईंधन जमा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भय और असुरक्षा की भावना नोटबंदी और कोविड–19 लॉकडाउन जैसी पिछली घटनाओं से उत्पन्न हुई है। इसका असर महाराष्ट्र में भी देखा जा रहा है, जहां लोग मान रहे हैं कि लॉकडाउन की संभावना बढ़ रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भरोसा

दिलाया कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। मुंबई और महाराष्ट्र के कई होटलों और ढाबों में गैस की कमी के कारण लगभग 50प्रतिशत बंद हो गए हैं। पश्चिमी महाराष्ट्र की फाउंड्री इंडस्ट्री पूरी तरह ठप है, वहीं गुजरात के मोरबी में 500 टाइल बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादन रोक दिया है। कुछ उद्योग सीमित संचालन के लिए लकड़ी और कोयला का उपयोग करने पर मजबूर हैं। संपादकीय के अनुसार, संकट का मुख्य कारण ईरान–इस्राइल संघर्ष है, जिसने होर्मुज जलसंधि को प्रभावित किया है, जो भारत के 60: एलपीजी आयातों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि सरकार दावा करती है कि उसके पास 60 दिन का ईंधन और एक महीने की एलपीजी आपूर्ति है, लेकिन जनता का भरोसा कम है। संपादकीय में कहा गया मुख्यमंत्री फडणवीस स्थिति को सामान्य बता रहे हैं, जबकि खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने चेताया कि तीन महीनों में एलपीजी की आपूर्ति रुक सकती है। केरोसीन वितरण फिर से शुरू करने का निर्णय भी ईंधन की कमी का संकेत है। इस मुद्दे पर प्रशासन में मतभेद और असंगति के कारण जनता में भ्रम फैला और अफवाहों को बढ़ावा मिला।

डब्ल्यूटीओ वार्ता समाप्तः ई-कॉमर्स पर शुल्क से जुड़ी रोक बढ़ाने पर कोई सहमति नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का चार दिवसीय 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) सोमवार को कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया, लेकिन इसमें ई–कॉमर्स पर सीमा शुल्क पर रोक की अवधि को बढ़ाने के विवादास्पद मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हो सका। सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले कैमरून के व्यापार मंत्री ल्यूक मैग्लॉयर म्बार्गा अतांगाना ने कहा कि चार दिन की बैठक में व्यापार मंत्रियों ने कई मुद्दों को निपटाने की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण कुछ लंबित मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। इनमें ई–कॉमर्स पर डब्ल्यूटीओ की कार्य प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क वसूलने पर लगी वर्तमान रोक को जारी रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार–संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) से जुड़ी शिकायतों का समाधान जैसे विषय सम्मिलित थे। अब इन विषयों पर चर्चा संगठन के मुख्यालय जिनेवा में जारी रहेगी।

आईबीसी संशोधन विधेयक 2025 लोकसभा में पारित, बोलीं वित्त मंत्री-

इससे बढ़ेगा निवेशकों का भरोसा

नयी दिल्ली लोकसभा में सोमवार को दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 ध्वनिमत से पारित हो गया। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक संकटग्रस्त कंपनियों के समाधान की प्रक्रिया को तेज करने के मुख्य उद्देश्य से लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद कंपनियों के दिवाला मामलों का अदालत के बाहर समाधान किया जा सकेगा। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अगस्त 2025 में लोक सभा में लाया गया था, तथा इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया था। प्रवर समिति ने गहनता और गंभीरता से विचार करने के बाद 11 संशोधन सुझाये हैं और सभी को इसमें शामिल कर लिया गया है। इसमें क्रेडिटर को अधिक अधिकार दिये गये हैं। क्रेडिटर समाधानकर्ता की चयन प्रक्रिया में अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लायी जा सकेगी और समाधान प्रक्रिया तेज होगी। सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक में प्रावधान किये गये हैं कि एनसीएलएटी में अपील के बाद तीन महीने के अंदर उसका फैसला आ जाये। उन्होंने कहा कि इस संशोधन विधेयक में बीमार कंपनियों के समाधान में देरी से बचने के पर्याप्त उपाय किये गये हैं। इसमें कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। उनकी जितनी देयता है, उसे प्राथमिकता पर रखा जायेगा। कर्मचारियों के हितों से हम बिलकुल समझौता नहीं करेंगे। विधेयक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का भी पूरा ध्यान रखा गया है। सीतारमण ने कहा कि 2016 में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता कानून लाये जाने के बाद से जो संकटग्रस्त कंपनियों का समाधान प्रक्रिया से गुजरी हैं, वे

बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। बीमार कंपनियों से बैंकों का डूबा पैसा निकालने के प्रतिशत में बहुत बढ़ोतरी हो गयी है और अब यह 52 प्रतिशत तक पहुंच गया है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि बैंक धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1105 केसों की जांच की, जिसमें 64920 करोड़ की संपत्तियां जब्त कर 150 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। भगोड़े आर्थिक अपराधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गयी है और ऐसे मामलों के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय समस्या को भी समाधान करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा न्यायिक अधिकार में लेनदारों के मामले में काफी सुरक्षा के उपाय किया गये हैं। अब लेनदार या देनदार का किसी भी तरीके से गलत उपयोग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी कंपनी या क्षेत्र के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है और सभी को एक तरह से डील किया जाता है। श्रीमती सीतारमण के जवाब के बाद विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा पुख्ता

मुंबई,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा तनाव के बीच भारत सरकार ने देशवासियों और उद्योग जगत को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वैश्विक हालात के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है। कुछ स्थानों पर ग्राहकों द्वारा घबराहट में की जा रही खरीदारी (पैनिक बाइंग) की खबरों के बीच, सरकार ने देश के ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए कई स्तरों पर त्वरित उपाय किए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता की जानकारी दी। उन्होंने पश्चिम

एशिया के मौजूदा हालात के बावजूद आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। सरकार ने इस संबंध में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शर्मा ने बताया कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। रिफाइनरियां सामान्य रूप से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है। कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखी गई है, लेकिन नागरिकों को आश्वस्त किया गया है। घरेलू बाजार में उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने उत्पाद शुल्क में कमी की है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दस रुपये घटाया गया है। सरकार ने डीजल की उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्यात शुल्क भी लगाया है। उन्होंने अफवाहों पर विश्वास न करने और जरूरत के हिसाब से ईंधन इस्तेमाल करने का अनुरोध किया। प्राकृतिक गैस की घरेलू उपयोग के लिए शत प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। एलपीजी वितरकों के पास आपूर्ति की कोई कमी नहीं है। पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। कल लगभग पचानवे फीसदी बुकिंग ऑनलाइन की गई थीं। लगभग बयासी फीसदी डिलीवरी को प्रमाणीकरण कोड से प्रमाणित किया गया। पिछले दो दिनों में 1.04 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 92 लाख सिलिंडर वितरित हुए।

पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं, समाधान चाहिए-प्रयंका गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि युद्ध के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि खाड़ी में फंसे भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सरकार का क्या प्लान है। प्रियंका गांधी ने लोकसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा लोगों की जान खतरे में है क्योंकि ऊपर से बम बरस रहे हैं। प्रधानमंत्री इस पर क्या कर रहे हैं?

लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का क्या प्लान है? युद्ध और संकट के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरा देश इस मसले पर एकजुट है।

वीबी-जी राम जी कानून पर खरगे ने सरकार को घेरा, कहा-

मनरेगा कमजोर कर मजदूरों को छोड़ा बेसहारा

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा के तहत मिलने वाले काम के अधिकार को खत्म कर दिया और नई घोषित योजना का जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं दिख रहा। खरगे ने कहा कि इससे लाखों मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है। खरगे ने कहा कि सरकार ने जिस वीबी–जी–राम जी योजना का प्रचार किया। वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कोविड काल की बात करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसी समय मनरेगा ने लाखों मजदूरों को राहत दी थी। अब हालात यह हैं

कि कई राज्यों में काम बंद होने की शिकायतें आ रही हैं। खरगे ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पिछले 87 दिनों से 12,000 मजदूर काम न मिलने के कारण प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से भी मनरेगा के काम रुकने की खबरें सामने आ रही हैं। कुछ जगहों पर अधिकारियों को नए काम शुरू न करने के निर्देश मिलने की भी बात कही जा रही है।

कांग्रेस का आरोप है कि 21 दिसंबर 2025 को अधिसूचित की गई वीबी–जी राम जी योजना का कोई असर नहीं दिख रहा है। खरगे ने कहा कि सरकार ने इसका खूब प्रचार किया, लेकिन मजदूरों को इसका कोई फायदा नहीं मिला।

दिल्ली–आगरा हाईवे पर बड़ा हादसा टला, पुल की रेलिंग तोड़कर हवा में लटका ट्रैक्टरों से भरा कंटेनर

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (छभ–2) पर सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक फ्लाईओवर पर ट्रैक्टरों से लदा अनियंत्रित कंटेनर पुल की सुरक्षा रेलिंग तोड़ते हुए बाहर की ओर हवा में लटक गया। गनीमत रही कि कंटेनर नीचे नहीं गिरा, अन्यथा बड़ा जान–माल का नुकसान हो सकता था। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टरों से भरा कंटेनर दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा था। गोविंद नगर क्षेत्र के फ्लाईओवर पर

पहुंचते ही चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कंटेनर सीधे लोहे और कंक्रीट की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग पूरी तरह टूट गई और कंटेनर का अगला हिस्सा तथा एक पहिया पुल से बाहर हवा में लटक गया। घटना के बाद हाईवे पर अफरा–तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दृश्य बेहद खौफनाक था और ऐसा लग रहा था कि कंटेनर किसी भी समय नीचे गिर सकता है। हालांकि, वाहन का पिछला हिस्सा पुल पर फंसा रहने से वह गिरने से बच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। इस हादसे में चालक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पुल के एक हिस्से पर यातायात रोक दिया और क्रेन की मदद से कंटेनर को सुरक्षित हटाने का कार्य शुरू किया। शुरुआती जांच में हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना या वाहन में तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

आप सभी का प्यार कभी नहीं भूल पाऊँगाः नरेन्द्र प्रताप सिंह

शिक्षक के सेवानिवृत्त होने पर सभी की आँखें हुईं नम

प्रतापगढ़। डीएवी इंटरमीडिएट कॉलेज प्रतापगढ़ से आज श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह सेवानिवृत हुए।चूँकि कल अवकाश रहेगा इसीलिए एक दिन पूर्व सेवानिवृत्त हुए।विद्यालय परिवार द्वारा बहुत ही शानदार ढंग से विदाई कार्यक्रम मनाया गया।सेवानिवृत्त अध्यापक नरेन्द्र प्रताप सिंह को प्रधानाचार्य अवधेश विश्वकर्मा द्वारा अंग वस्त्र पहनाकर और माल्यापर्ण कर के विदाई दिया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि नरेन्द्र प्रताप सिंह का शिक्षण कार्य

अनुकरणीय है। आपके समर्पण को विद्यालय परिवार कभी नहीं भूल पायेगा।विद्यालय के सभी अध्यापकों ने सिंह साहब के कृतित्व की भूरि भूरि प्रसंशा कर नम आँखों से विदाई दी। अन्य अध्यापकों द्वारा रामायण पुस्तक, डायरी,पेन,कपड़ा सेट,मिठाई व अन्य सामग्री यादगार स्वरूप भेंट किया गया।नरेन्द्र प्रताप सिंह अपने कार्यकाल में एक बहुत ही समयनिष्ठ और आदर्श अध्यापक रहे जिनका अन्य अध्यापकों द्वारा सदैव अनुकरण किया गया।नम आँखों से सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सेवा निवृत्त शिक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आप सब के प्यार को जीवन में कभी नहीं भूल पाऊँगा। इस अवसर पर अवधेश विश्वकर्मा, मनमोहन सिंह, नागेंद्र सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह, हेमंत सिंह, सुशील सिंह, कुलदीप सिंह, राफिया खातून, शुभम सिंह, अभिषेक सिंह, संदीप, सुंदर लाल आदि लोग उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में मदद फाउंडेशन का संकल्प, शहर भर में उपलब्ध होगा मुफ्त पानी

प्रयागराज। भीषण गर्मी के मद्देनज़र शुद्ध पेयजल की समस्या को देखते हुए सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल करते हुए शहर में निशुल्क वाटर कूलर एवं पानी की टंकियां स्थापित करने का प्रस्ताव प्रशासन के समक्ष रखा है। इसी क्रम में आज संस्था की टीम ने संरक्षक दिनेश तिवारी एवं संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष वर्मा, महापौर गणेश केसरवानी को एक ज्ञापन पत्र सौंपा। ज्ञापन में शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, चौराहों एवं निराश्रितों के ठहरने वाले

क्षेत्रों में मुफ्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। जिलाधिकारी, महापौर ने संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में भी मदद फाउंडेशन के अथक प्रयासों से प्रयागराज के कई प्रमुख स्थानों पर पानी की टंकियां एवं वाटर कूलर स्थापित किए गए थे, जिससे लाखों जरूरतमंदों, निराश्रितों एवं आम नागरिकों को राहत मिली थी। जिसकी सराहना आम जनमानस में हुई थी। मदद फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा "रविवार की रसोई" अभियान के तहत फुटपाथों पर रहने वाले जरूरतमंद लोगों को घर का बना पौष्टिक भोजन, स्वच्छ पानी, दवाइयां, कपड़े एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी, संरक्षक दिनेश तिवारी, जिलाध्यक्ष प्रयागराज अरविंद पांडेय, बुंदेलखंड प्रभारी विवेक मिश्र सहित संस्था के कई सदस्य उपस्थित रहे। संस्था ने समाज के सभी वर्गों से इस नेक कार्य में सहयोग करने की अपील की है, ताकि भीषण गर्मी में अधिक से अधिक लोगों की प्यास बुझाई जा सके।

पीसीएस-2024 का परिणाम घोषितः नेहा पांचाल टॉपर, अनन्या को मिला दूसरा स्थान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने रविवार आधी रात सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा–2024 का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया। 947 पदों के मुकाबले 932 पदों पर चयनित हुए अभ्यर्थियों में नेहा पांचाल शीर्ष पर हैं।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने रविवार आधी रात सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा–2024 का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया। 947 पदों के मुकाबले 932 पदों पर चयनित हुए अभ्यर्थियों में नेहा पांचाल शीर्ष पर हैं, जबकि उत्तर प्रदेश की अनन्या त्रिवेदी को दूसरा और अभय प्रताप सिंह को तीसरा स्थान मिला। शीर्ष 10 में छह बेटियां हैं और इनमें चार यूपी के विभिन्न जिलों से हैं।

पीसीएस मुख्य परीक्षा का परिणाम चार फरवरी 2026 को जारी किया गया था। इसमें 2719 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया था। हाईकोर्ट में दाखिल याचिकाओं पर पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में दो अन्य अभ्यर्थियों को भी साक्षात्कार के लिए औपबंधिक रूप से सफल घोषित किया गया था। साक्षात्कार 26 फरवरी से 23 मार्च तक आयोजित किए गए। इसमें 21 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

932 अभ्यर्थी हुए थे सफल

परीक्षा में शामिल 24 प्रकार के पदों/सेवाओं के लिए उपलब्ध 947 रिक्तियों के सापेक्ष 932 अभ्यर्थियों को आयोग ने सफल घोषित किया है। व्यवस्थाधिकारी का एक पद और व्यवस्थापक के 14 पद उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण खाली रह गए। जिनके पुनर्विज्ञापन की आयोग ने संस्तुति की है। चयन परिणाम आयोग की वेबसाइट http://uppsc-up-nic-in पर उपलब्ध है।

आयोग के सचिव अशोक कुमार के अनुसार, परीक्षा के आधार पर अंतिम रूप से सफल घोषित किए गए जिन अभ्यर्थियों के नाम के आगे 'च्व्ट्' अंकित हैं, उनसे अपेक्षा की गई है कि वे निर्धारित तिथि तक वांछित अभिलेख अवश्य प्रस्तुत कर दें, वरना आयोग उनका चयन/अभ्यर्थन निरस्त कर देगा। अभ्यर्थियों के प्राप्तांक और श्रेणीवार/पदवार कटऑफ अंकों की सूचना जल्द ही आयोग की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।

यूपी पीसीएस – 2024 का पूरा रिजल्ट देखने के लिए यहां क्लिक करें

नेहा और श्वेता नाम की तीन–तीन डिप्टी कलेक्टर

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा घोषित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा–2024 के परिणामों में इस बार अद्भुत संयोग देखने को मिला है। परिणाम में नेहा और श्वेता नाम की बेटियों का दबदबा रहा। प्रदेश की प्रतिष्ठित सिविल सेवा में तीन नेहा ने डिप्टी कलेक्टर के पद पर अपना कब्जा जमाया है।

परीक्षा परिणामों में टॉपर्स की सूची में नेहा और श्वेता नाम की गूंज सुनाई दे रही है। नेहा पांचाल ने पहला स्थान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि इस परीक्षा में अव्वल रहीं। इसी तरह नेहा सिंह ने पांचवां स्थान हासिल कर टॉप–10 में जगह बनाई। इसी क्रम में नेहा तोमर

ने 11वीं रैंक के साथ डिप्टी कलेक्टर के पद पर अपनी मुहर लगाई। इसी तरह प्रतापगढ़ की श्वेता द्विवेदी ने 29वां स्थान हासिल कर डिप्टी कलेक्टर पद हासिल किया है। इसी तरह श्वेता वर्मा और श्वेता गुप्ता का भी चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ है। आमतौर पर एक ही नाम के दो अभ्यर्थियों का चयन चर्चा में रहता है लेकिन शीर्ष पदों पर एक ही नाम की तीन महिला अभ्यर्थियों का चयन होना दुर्लभ संयोग माना जा रहा है।

संघर्ष, अनुशासन और निरंतर मेहनत से अनन्या ने पाई सफलता

पीसीएस–2024 के अंतिम परिणाम में रायबरेली की अनन्या त्रिवेदी ने दूसरा स्थान पाया है। उन्होंने संघर्ष, अनुशासन और निरंतर मेहनत से सफलता पाई है। रायबरेली के आनंद नगर की निवासी अनन्या के पिता सुशील त्रिवेदी एक जनरल स्टोर चलाते हैं, जबकि मां रेखा रानी बेसिक शिक्षा विभाग में सरकारी शिक्षिका हैं। अनन्या अपनी इस उपलब्धि का श्रेय मां के कठिन परिश्रम और त्याग को देती हैं। उन्होंने मामा राजेश पांडेय (एडिशनल एसपी, कानपुर देहात) के मार्गदर्शन को भी महत्वपूर्ण बताया। ब्यूरो

शैक्षणिक सफर रहा मजबूत

अनन्या ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रायबरेली से पूरी की। इसके बाद उन्होंने 2019 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से समाजशास्त्र (ऑनर्स) में स्नातक किया। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से परास्नातक की डिग्री हासिल की और साथ ही नेट भी क्वालिफाई किया। अनन्या ने कहा कि पहली बार मेंस और साक्षात्कार दिया और सफलता पाई।

अनन्या रोजाना छह घंटे पढ़ाई करती थीं और उन्होंने अपनी तैयारी को नियमित व योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया। वह फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी भी कर रही हैं।

प्रशासन और पुलिस की कमान संभालेंगी 28 बेटियां

पीसीएस–2024 के अंतिम चयन परिणाम ने साफ संदेश दिया है कि प्रदेश में अब प्रशासन और पुलिस की कमान बेटियों के हाथों में आने जा रही है। बड़ी बात है कि डिप्टी कलेक्टर के 37 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में से 21 बेटियां हैं और डिप्टी एसपी के 17 में से सात पदों पर बेटियों का चयन हुआ है। 932 पदों में से एक तिहाई पदों पर महिला अभ्यर्थी चयनित हुई हैं।

वहीं, असिस्टेंट कमिश्नर (कॉमर्शियल टैक्स) के 196 में से 76 पदों और एआरटीओ के 16 में से छह पदों पर महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इसी तरह ट्रेजरी ऑफिसर के 22 पदों में से छह पदों की जिम्मेदारी बेटियां संभालेंगी और जिला कमांडेंट होमगार्ड के दो पदों में से एक पद पर महिला अभ्यर्थी का चयन किया गया है। सहायक आयुक्त उद्योग के 18 पदों में से सात पर बेटियों ने सफलता हासिल की। वहीं, खंड विकास अधिकारी के पदों पर चयनित 72 में से 24 बेटियां हैं। जबकि समाज कल्याण अधिकारी के नौ में से तीन पदों पर महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। खास यह है कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के एकमात्र पद पर महिला अभ्यर्थी गरिमा सिंह का चयन हुआ है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के पांच में से तीन और जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी के चार में से तीन पदों पर महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें प्रिया शर्मा, साक्षी गुप्ता व एनाक्षी गुप्ता शामिल हैं। इसके अलावा नायब तहसीलदार के 258 पदों में से 67 पदों पर महिला अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया गया है। वहीं, डिप्टी जेलर के 60 में से 16 पदों की कमान बेटियां संभालेंगी।

डिप्टी कलेक्टर के पदों पर हुआ इनका चयन

नेहा पांचाल, अनन्या त्रिवेदी, अभय प्रताप सिंह, अनामिका मिश्रा, नेहा सिंह, दीप्ति वर्मा, पूजा तिवारी, अनुराग पांडेय, शुभम सिंह, आयुष पांडेय, नेहा तोमर, संतोष प्रजापति, सुषमा यादव, विनय कुमार उपाध्याय, दीक्षा अग्रवाल, गरिमा शर्मा, करिश्मा चौहान, हर्ष पुष्पाकर, कुमारी ज्योति, सोनम यादव, श्वेता वर्मा, पंकज वर्मा, अनुराग प्रताप सिंह, हरिवेंद्र सिंह गुज्जर, श्वेता गुप्ता, शृष्टि चौधरी, अभय सिंह राजपूत, अंकित पांडेय, श्वेता द्विवेदी, कृतिका चौधरी, सचिन कुमार, सोनाली सिंह, विनय कुमार, अविनाश कुमार, जैसमिन वर्मा, प्राची, मो. गुलरेज खान।

डिप्टी एसपी के पदों पर हुआ इनका चयन

नकुल उपाध्याय, अनिमेष अवस्थी, आकृति शुक्ला, स्वदेश शर्मा, गुरमन कौर गिल, तुल्सा त्रिवेदी, हर्ष कुमार सिंह, अदिति पुनेठा, अनुराग यादव, अंजुले गुप्ता, राजू मोदनवाल, विमलेश कुमार, श्वेता त्यागी, अवतार सिंह, वरुण कुमार, बृजेंद्र कुमार भारतीया, रुचि।

नाबालिग की अभिरक्षा मामले में मुस्लिमों पर भी लागू होते हैं अभिभावक व आश्रित अधिनियम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) से शासित होने वाले पक्षकार भी अपने नाबालिग बच्चों की अभिरक्षा (कस्टडी) प्राप्त करने के लिए 'अभिभावक एवं आश्रित अधिनियम–1890' के प्रावधानों का सहारा ले सकते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) से शासित होने वाले पक्षकार भी अपने नाबालिग बच्चों की अभिरक्षा (कस्टडी) प्राप्त करने के लिए 'अभिभावक एवं आश्रित अधिनियम–1890' के प्रावधानों का सहारा ले सकते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम एक सामान्य कानून है, जो धर्म पर ध्यान दिए बिना सभी व्यक्तियों पर लागू होता है। मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत आने वाले लोग भी इसके माध्यम से राहत पाने के हकदार हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार–दशम की एकल पीठ ने रिजवाना की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। बस्ती निवासी रिजवाना ने दो नाबालिग बच्चों की अभिरक्षा

के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। याची का तर्क था कि मुस्लिम कानून के अनुसार सात वर्ष से कम आयु के बालक और नाबालिग लड़की की अभिरक्षा का अधिकार मां के पास होता है। साथ ही यह दलील दी गई थी कि अभिभावक एवं आश्रित अधिनियम–1890 मुस्लिम पक्षकारों पर प्रभावी नहीं होता। इसलिए बच्चों की अभिरक्षा का विवाद केवल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के जरिये ही तय किया जा सकता है।

अदालत ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि 'अभिभावक एवं आश्रित अधिनियम 1860' की धारा–6 किसी भी वर्ग के व्यक्ति को अदालत जाने से नहीं रोकती, बल्कि यह विभिन्न श्रेणियों के अभिभावकों को मान्यता देने का काम करती है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिभावक शब्द की परिभाषा काफी व्यापक है। इसमें बच्चे की हिरासत का अधिकार भी शामिल है। हाईकोर्ट ने कहा कि फैमिली कोर्ट एक्ट 1984 की धारा–7 के तहत परिवार न्यायालय को नाबालिगों की संरक्षकता और हिरासत से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। कोर्ट ने कहा कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका एक संक्षिप्त प्रक्रिया है, जिसमें साक्ष्यों का विस्तृत मूल्यांकन और बच्चों के कल्याण की गहन जांच संभव नहीं है। अंत में अदालत ने याचिका को निस्तारित करते हुए याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वह उचित राहत के लिए सक्षम परिवार न्यायालय के समक्ष अपनी बात रखे।

सिद्धि के लिए मैंने बेटे को मार दिया, दो और की बलि दी...आगे भी यही करता रहूंगा

प्रयागराज। सिद्धि प्राप्त करने के लिए मैंने बेटे को मार दिया, गांव के दो और लोगों की बलि दी...आगे भी यही करता रहूंगा। यह कथन है बेटे की मौत से सदमे में नौकरी छोड़ने वाले शिक्षक पिता का, जो सच नहीं है। सिद्धि प्राप्त करने के लिए मैंने बेटे को मार दिया, गांव के दो और लोगों की बलि दी...आगे भी यही करता रहूंगा। यह कथन है बेटे की मौत से सदमे में नौकरी छोड़ने वाले शिक्षक पिता का, जो सच नहीं है। ऐसा वह बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर के तहत होने वाली मेनिया नामक मानसिक बीमारी से ग्रसित होने की वजह से कह रहे हैं। परिवार वाले झाड़फूंक से लेकर आसपास के डॉक्टरों को दिखाकर थक गए पर राहत नहीं मिली। किसी ने सलाह दी तो कॉल्विन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इस बीमारी का खुलासा हुआ।

भगवतपुर निवासी 52 वर्षीय शिक्षक इमामगंज के एक निजी स्कूल में पढ़ा रहे थे। इसी बीच 22 वर्षीय बेटे की मौत हो गई तो गहरे सदमे में चले गए। डेढ़ साल बाद सदमा मानसिक रोग में तब्दील हो गया। इसकी वजह से उन्हें नौकरी भी छोड़नी पड़ी। गेरुआ वस्त्र धारण करके खुद

को सिद्ध पुरुष बताने लगे। परिजनों और गांव वालों का कहना है कि तीनों लोगों की मौत बीमारी से हुई थी। बड़ा बेटा उन्हें कॉल्विन अस्पताल के मन कक्ष लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने पाया कि वह बेटे की मौत के बाद गहरे सदमे में चले गए। ऐसे में उन पर मेनिया नामक मानसिक रोग हावी हो गया है।

बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर में यह है मेनिया

बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर में मेनिया या उन्माद मनोदशा और ऊर्जा में अत्यधिक वृद्धि की एक गंभीर स्थिति है, जिसमें जोखिम भरे निर्णय लिए जा सकते हैं। यह एपिसोड हफ्तों से महीनों तक रह सकता है। यह दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

नींद की जरूरत कम होना, ऊर्जा बढ़ना, चिड़चिड़ापन, अचानक से किसी भी इन्सान से बहुत ज्यादा बातें करने लगना, बड़ी–बड़ी बातें करना, शेखी बघारना, खुद को बहुत ही महान समझना, रंग–बिरंगे चटक कपड़े पहनना, महिलाओं में अचानक से जरूरत से ज्यादा मेकअप करना शुरू हो जाना, अचानक से बहुत हंसमुख हो जाना, कभी–कभी अत्यधिक गुस्सा, जिसमें खुद को व दूसरों को जानलेवा हानि तक पहुंचा देना।

इस बीमारी के दो फेज होते हैं। पहला डिप्रेशन और दूसरा मेनिया। इसकी शुरुआत की उम्र 15 से 30 वर्ष (किशोरावस्था से युवा अवस्था) होती है। यह क्रॉनिक और बार–बार होने वाली बीमारी है। इलाज न होने पर इसके एपिसोड बढ़ते हैं। ऐसे में लक्षण देखते ही तुरंत इलाज कराएं और झाड़फूंक के चक्कर में न पड़ें। – डॉ. पंकज कौटार्य, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, कॉल्विन अस्पताल

पुलिस सत्यापन में देरी और लंबित आपराधिक मामले से नहीं प्रभावित होती अभ्यर्थी की दावेदारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में कांस्टेबल पद पर चयनित अभ्यर्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल पुलिस सत्यापन में देरी या किसी लंबित आपराधिक मामले के आधार पर किसी अभ्यर्थी की दावेदारी को प्रभावित नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में कांस्टेबल पद पर चयनित अभ्यर्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल पुलिस सत्यापन में देरी या किसी लंबित आपराधिक मामले के आधार पर किसी अभ्यर्थी की दावेदारी को प्रभावित नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने बलिया के रोहित यादव व अन्य की ओर से दायर याचिका पर दिया है।

रोहित का रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से आयोजित कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया में अंतिम चयन हुआ। हालांकि, उसके विरुद्ध बलिया के नगरा थाने में एक आपराधिक मामला लंबित है, जिसमें जनवरी 2021 में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इस लंबित प्रकरण के कारण पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही थी। इससे याची की नियुक्ति प्रक्रिया बीच में ही अटकने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। याची ने कोर्ट से मांग की थी कि उसके खिलाफ जारी समन आदेश और पूरी कार्यवाही को निरस्त किया जाए, ताकि उसकी नौकरी पर खतरा न मंडराए।

कोर्ट ने सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर, रेलवे सुरक्षा बल, खुर्दा रोड (ओडिशा) को निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि याची का अभ्यर्थन केवल इसलिए निरस्त नहीं किया जा सकता कि उसका पुलिस सत्यापन लंबित है। पीठ ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता को निर्देशित किया है कि वे संबंधित रेलवे अधिकारियों को इस आदेश से तुरंत अवगत कराएं, ताकि चयन प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। नौ अप्रैल को सुनवाई होगी।

दिल्ली धरने के लिए प्रयागराज के परिषदीय शिक्षक लामबंद, चार अप्रैल को होगी महारैली

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रयागराज इकाई की ओर से चार अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली की तैयारियों को लेकर रविवार को शिक्षक भवन साउथ मलाका में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रयागराज इकाई की ओर से चार अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली की तैयारियों को लेकर रविवार को शिक्षक भवन साउथ मलाका में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त महामंत्री व जिलाध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आरटीई अधिनियम से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी परीक्षा थोपे जाने के विरोध में आयोजित इस महारैली में देशभर से लाखों शिक्षक शामिल होंगे। उन्होंने सभी ब्लॉकों से प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों की सूची लेने के साथ ही ट्रेन और बसों से दिल्ली पहुंचने की तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की भागीदारी किसी भी स्थिति में कम नहीं होनी चाहिए। वहीं डॉ. शिव बहादुर सिंह ने अधिक से अधिक संख्या में शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। ब्लॉक पदाधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में शिक्षकों के लिए पहले से ही ट्रेनों में आरक्षण कराया जा चुका है।

कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी ने प्रत्येक ब्लॉक से कम से कम 50 शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रदेश से नियुक्त पर्यवेक्षक व भदोही के जिला मंत्री अरुण पांडे, राजेंद्र कनौजिया, अमर सिंह, राजेंद्र कुशवाहा, डॉ. एसपी सिंह, सरोज सिंह, अनिमेष श्रीवास्तव, हेमंत त्रिपाठी, महेंद्र कुमार सिंह, रवि द्विवेदी, सुधाकर द्विवेदी, राजेश यादव, प्रशांत द्विवेदी, सुभाष यादव आदि मौजूद रहे।

पांच हाईमास्ट और 350 स्ट्रीट लाइट वार्ड में लगवाने पर लोगों में खुशी

पंद्रह हाईमास्ट लाईट वार्ड में और लगेगा आशीष सिंह

सुरियावा। उत्तर प्रदेश के जनपद भदोही अंतर्गत सुरियावां विकास खंड वार्ड नंबर 7 के जिला पंचायत सदस्य आशीष कुमार सिंह द्वारा इकौनी ग्राम पंचायत में अपने पर्सनल खर्चे पर एक हाई मार्क्स लाइट प्राथमिक विद्यालय के बगल गुरु साहब बाबा मंदिर प्रांगण पर लगवाया गया , झिंगटपुर , भटेवरा में चार हाईमास्ट लाईट लगवाया गया, और वार्ड सात के धार्मिक स्थलों, नागरिकों में खुशी व्यक्त कर समाज सेवा की सराहना की गई पर तीन सौ पचास स्ट्रीट लाइट निजी धन से लगवाया गया । पंद्रह हाईमास्ट लाईट और वार्ड में लगाया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य नवयुवक आशीष कुमार सिंह वार्ड नंबर 7 के जिला पंचायत सदस्य का तहे दिल से शुक्रिया उनका समाज सेवा की भावना से राजनीतिक भविष्य उज्जवल होने की बात कही आशीष सिंह द्वारा कहा गया कि नागरिकों के हर सुख दुख में सक्रियता के साथ सेवा करता रहूंगा, इस उत्कृष्ट कार्य करने पर वॉर्ड के लोगों ने के कहा पद पर रहने वाले प्रतिनिधि भी नहीं सुधि ले रहे हैं। नागरिकों में शैलेश सिंह, सुरेश सिंह, मुकेश सिंह, सुरजू पाल, राजाराम, शिव कुमार, दिनेश आदि ने सराहना की है।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में विशेष व्याख्यान काआयोजन

प्रयागराज। प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग सी.एम. पी. डिग्री कॉलेज प्रयागराज आज दिनांक 30– 03–2026को प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में बौद्धिक उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा इमर्जिंग ट्रेंड्स इन हिस्ट्री राइटिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन कराया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो .वंदना वर्मा इतिहास विभाग श्रीमती इंदिरा गांधी पी.जी .कॉलेज रहीं आदरणीय मैंम ने अपने उद्बोधन में इतिहास लेखन के विभिन्न दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए वर्तमान में इतिहास लेखन की नवीन उभरती हुई प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय की उप प्राचार्या प्रो. नीता सिंहा विभागीय शिक्षकगण प्रो.अर्चना खरे, प्रो.भावना चौहान, डॉ.शशांक शेखर रॉय डॉ.कमल कृष्ण राय डॉ.आलोक कुमार सिंह डॉ.मयंक विश्वकर्मा डॉ.अपर्णा मिश्रा डॉ.अनंत कुमार श्रीवास्तव डॉ.आराधना सिंह, डॉ.शिवानी कुशवाहा तथा बड़ी संख्या में विभाग तथा मध्यकालीन इतिहास विभाग के शोधार्थी एवं परास्नातक छात्र–छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर अतिथि परिचय डॉ.आराधना सिंह ने कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ.आलोक कुमार सिंह ने दिया।

हमारा कल नाटक का सफल मंचन

प्रयागराज। शहर की प्रमुख नाट्य संस्था द थर्ड बेल, प्रयागराज द्वारा नाटक "हमारा कल" का मंचन संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आज मल्टीपरपज़ हॉल, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सफलतापूर्वक किया गया। यह नाटक वर्तमान समय की ज्वलंत सामाजिक समस्याओं को उजागर करते हुए भविष्य के प्रति एक सशक्त संदेश देने का कार्य करता है। प्रख्यात रंगनिर्देशक आलोक नायर के निर्देशन में मंचित इस नाटक ने दर्शकों को आरंभ से अंत तक बांधे रखा और उन्हें गहन आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। नाटक की संरचना दो प्रमुख विषयों पर आधारित रही, जिन्हें अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

नाटक के प्रथम भाग में ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या को एक प्रतीकात्मक न्यायालय के माध्यम से दर्शाया गया, जहां 'प्रकृति' स्वयं वादी बनकर 'इंसानों' के विरुद्ध अपनी शिकायतें प्रस्तुत करती है। प्रकृति की पीड़ा और उसके तर्क दर्शकों को झकझोरते हैं, वहीं 'इंसान' अपने अतार्किक और स्वार्थपूर्ण तर्कों के माध्यम से अपनी सफाई देने का प्रयास करता है। यह संवाद दर्शकों के मन में अनेक प्रश्न छोड़ता है और उन्हें अपने कृत्यों पर विचार करने के लिए विवश करता है।

नाटक के दूसरे भाग में आधुनिक जीवनशैली के कारण युवाओं और उनके बुजुर्ग माता–पिता के बीच बढ़ती दूरी को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में युवा अपने माता–पिता को समय नहीं दे पा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप बुजुर्गों में अकेलापन और उपेक्षा की भावना निरंतर बढ़ती जा रही है। नाटक इस संवेदनशील विषय को सामने लाकर दर्शकों को अपने पारिवारिक संबंधों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। नाटक में कलाकारोंकृयश मिश्र, शुभेंद्र कुमार सिन्हा, अभिषेक गिरी, कुबेर कपूर, निमिष गुप्ता, शिवांक द्विवेदी, उपासना तिवारी एवं श्वेतांककृने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया और अपनी सशक्त प्रस्तुति से खूब सराहना बटोरी। साथ ही रूप सज्जा में हमीद जी अपने मेकअप से कलाकारों में जान फूंकी, संगीत संयोजन रवींद्र वर्मा का रहा। वहीं निर्देशक आलोक नायर ने अपने कुशल निर्देशन से नाटक को जीवंतता प्रदान की।

समग्र रूप से, "हमारा कल" एक विचारोत्तेजक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी प्रस्तुति रही, जिसने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उन्हें समाज और भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी बोध कराया।

इतिहास के विविध सन्दर्भों पर विद्वानों ने किया मंथन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की ओर से रविवार को उत्तर प्रदेश हिस्ट्री कांग्रेस के 34वें अधिवेशन का समापन समारोह जी सिक्स सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। संस्कृत विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना किया। संयोजन सचिव डॉ. मनोज वर्मा ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर सभी मंचस्थ अतिथियों का स्वागत किया। अधिवेशन संयोजक मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इतिहास लेखन की सच्ची परम्परा का निर्वहन होना चाहिए। महासचिव प्रो. विजय बहादुर सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए दो दिनों तक संचालित हुई विविध सत्रों की कार्यवाही से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के इतिहासकार प्रो.ए के सिनहा ने इतिहास चिन्तन की नूतन पहल की प्रशंसा की। शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विकलांग विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. अवनीश चन्द्र मिश्र ने कहा कि सांस्कृतिक अध्ययन एवं मूल्य संवर्धन ऐतिहासिक चिन्तन की

मूल अवधारणा है। प्रो.ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्रो जे एन पाल, प्रो. हर्ष कुमार, प्रो. अलाउद्दीन खांन ने भी अपने विचार साझा किये। अधिवेशन के अन्तर्गत विभिन्न सत्रों में लगभग तीन सौ आठ शोधपत्रों का वाचन किया गया। विद्वानों, शोधार्थियों ने इतिहास के विविध आयामों से संबंधित सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पक्षों पर विचार विमर्श किया। नवीन दृष्टिकोण एवं अनुसंधान पद्धतियों का समावेश देखने को मिला। इस सम्मेलन ने इतिहास के विभिन्न कालखण्डों के बीच अन्तर्संबंधों को समझने के लिए समकालीन सन्दर्भों की प्रासंगिकता सिद्ध की। प्रो. कविता सिंह, प्रो. रेनू शुक्ला, डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा, प्रो. अलाउद्दीन खान, डॉ. जे एन पाल विभिन्न सत्रों के अध्यक्ष के रुप में उपस्थित रहे। प्रो. विजय बहादुर सिंह, प्रो. शालिनी मिश्रा, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, आंचल ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। प्रो. प्रदीप कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. रमाकांत, डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, श्री माणिक चन्द्र गुप्ता, आनन्द शंकर, श्री सुमित श्रीवास्तव, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. अतुल वर्मा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मनोज यादव, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. तरुण, डॉ. अनुप्रिया, डॉ. विवेक अग्रहरि, डॉ. अवनीश यादव सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों प्राध्यापक,शोधार्थी, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भयहरणनाथ धाम की भूमि को कब्जामुक्त करने हेतु जारी रहा सामाजिक सत्याग्रह

पैमाइश हेतु नहीं पहुच सकी राजस्व टीम

दूरभाष पर कानूनगो ने बताया कि तहसीलदार का नहीं मिला सहयोग एसडीएम के संज्ञान में लाकर इसी सप्ताह होगी पैमाइश

प्रतापगढ। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में धाम की भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु सामूहिक रूप से सामाजिक सत्याग्रह रविवार को जारी रहा। गत 22 मार्च को सत्याग्रह में आकर राजस्व अधिकारियों ने रविवार को पैमाइस का संकल्प लिया था परन्तु तहसीलदार का सहयोग न प्राप्त होने के कारण टीम गठित नही हो सकी तथा इसी सप्ताह में एस डी एम के संज्ञान में लाकर पैमाइस पूरी कराने का पुनः आस्वासन राजस्व टीम ने दूरभाष पर सत्याग्रहियों को दी। सर्व सम्मत्ति से तय हुआ कि अगले रविवार 5 अप्रेल को पुनः सामाजिक सत्याग्रह का आयोजन होगा।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में आयोजित सामाजिक सत्याग्रह की अध्यक्षता अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने किया। सत्याग्रह की शुरूवात सामूहिक शिव आराधना से हुई। दोपहर 12 बजे शुरू हुआ सत्याग्रह देर शाम तक चिन्तन व चर्चा के साथ जारी रहा। सत्याग्रहियों ने सरकार व जिला प्रशासन से मांग किया कि धाम व धाम से जुडी समस्त सार्वजनिक वर्तमान भूमि को अबिलम्ब नाप कर चिन्हित कर सरकारी योजनाओं से विकसित किया जाए। साथ ही मांग की गई की 2 मार्च को जिलाधिकारी महोदय को पत्र देकर धाम की

समस्या से अवगत कराया गया था। उसके पश्चात निहित स्वार्थ में लिप्त एक पुजारी अपने निजी हितैसियों के साथ गिरोह बनाकर सरकारी बारादरी तोड कर निजी लाभ हेतु बारादरी बनाने पर अमादा है। जबकि तोडी गई वारादरी का निर्माण 2001 में पर्यटन विभाग द्वारा बना था को पुनरोद्धार हेतु सभी की उपस्थिति में गत माह ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा सर्वे किया गया है। सभी ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से धाम में लगातार उत्पन्न की जा रही अराजकता व मनमानेपन को नियंत्रित किए जाने की मांग की। सत्याग्रहियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि कुछ लोग अपने स्वार्थ में दोनों तरफ भूमिका निभाते है और अपना निजी हित साधना चाहते हैं ऐसे लोग समाज व सरकार द्वारा चिन्हित होने चाहिए तभी सार्वजनिक हित के कार्य निर्वाध गति से चल सकेगें। सभी ने तय किया कि धाम की समस्याओं के समाधान तक भगवान भयहरणनाथ महादेव के समक्ष सत्याग्रह चलता रहेगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक ओम प्रकाश सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष राजीव नयन मिश्र, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, कोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य, मन्दिर समिति के सचिव सच्चिदानन्द पाण्डेय, मेला समिति से उप संयोजक बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, शत्रुघन सिंह, मनीराम पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, मुकेश सिंह, अधिवक्ता संतोष द्विवेदी, राम चन्द्र गौतम, उंचडीह धाम से राकेश द्विवेदी, अकिंत सिंह, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम तथा संजय गौतम शामिल रहे।

रौनियार एकता महिला संगठन का आम सभा में पुरानी समिति का भंग कर नई समिति का गठन

पर्यवेक्षक के रूप में राज्यिक समिति के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष उपेंद्र कुमार शाह जी का उपस्थिति

विश्वनाथ ,असम। रौनियार एकता महिला संगठन का तीन वर्ष पूर्ति के अवसर पर सोमवार को तीन बजे विश्वनाथ चारिआलि स्थिति सार्वजनिक धर्मशाला में आमसभा की आयोजन किया गया। इस सभा का अध्यक्षा रौनियार एकता महिला संगठन के अध्यक्षा सुनैना देवी और सभा संचालन सचिव सुनीता रौनियार ने की।सर्वप्रथम अध्यक्ष का आसन ग्रहण के बाद सचिव ने पर्यवक्षेक और अतिथियों को मंचासीन करवाया। इसके बाद पर्यवक्षेक अखिल असम रौनियार वैश्य समाज के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता, कोषाध्यक्ष उपेंद्र कुमार शाह , अतिथि केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष श्यामानंद रौनियार,विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष रामानंद रौनियार, सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, सह सचिव सत्यप्रकाश गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, बजरंग रौनियार,पत्रकार संतोष कुमार महतो को असमीया पारंपरिक फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इसके बाद सचिव ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की और तीन वर्षों का लेखा जोखा पेश की । इसके बाद सभी ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया। इसके बाद पुरानी समिति को भंग कर नई समिति 2026–2029 का कुल 21 सदस्याओं को लेकर गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में ऊषा देवी , उपाध्यक्ष क्रमशः ऊषा देवी , मीरा देवी, ममता देवी, सचिव रानी रौनियार, सह सचिव क्रमशः किरण देवी ,पुनम देवी ,कोषाध्यक्ष सुनीता देवी, सह कोषाध्यक्ष बीना रौनियार , प्रचार समिति प्रमीला देवी, पुनम देवी और 11सदस्या को सर्वसम्मति से चुना गया। इस मौके पर अखिल असम वैश्य समाज के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता ने नारी संगठन को सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों में बढ़– चढ़कर हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने कहा हम नारी शक्ति समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है हमें कदम कदम में समाज का साथ देना है और अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करना है तभी एकजुटता आयेगी। यह समिति आगे दुगना कार्य करते हुए महिला संगठन को और भी मजबूत करेगी। उन्होंने नई समितिको बधाई दी । इस आम सभा में अखिल असम रौनियार वैश्य समाज के कोषाध्यक्ष ने उपेंद्र कुमार शाह ने लखीमपुर में आयोजित होली मिलन समारोह का आय व्यय का हिसाब–किताब पेश किया। सभी ने सर्वसम्मति से इसे मुहर लगाई।इस मौके पर रौनियार एकता महिला संगठन के संरक्षक सुनैना रौनियार, रानी रौनियार, उषा रौनियार, सुनीता रौनियार, पूनम रौनियार , रीता रौनियार के साथ साथ बहुत सारी महिलाएं उपस्थित थीं।

माया का है खेल

(छप्पय)

माया का है खेल रुपैया बोल रहा है।
धारण करके मौन गाँठ को खोल रहा है।
आज बना है सेठ सुदामा सबको कहता।
जिसके कारण पेट हमेशा था वह भरता।
केवल ऊँची बात है छोटे दिल के लोग हैं।
भ्रम का बस माहौल है और नहीं कुछ बात है।।

कीर्ति,प्रतिष्ठा नाम भुलावे की हैं बाते।
अपनों से कर दूर तोड़ देते हैं नाते।
घूम रहा है वक्त हकीकत को पहचानो।
कुछ न रहेगा साथ यक़ीनन इसको मानो।
यादों का संसार मात्र बस इतना कहता।
केवल इक व्यवहार हमेशा जिन्दा रखता।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नवल मोटर्स की उपलब्धिः एसएमएसआईएफ में मथुरा के उद्यमी सम्मानित

मथुरा। मथुरा के प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े नवल मोटर्स ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है। एसएमएसआईएफ (डैश्थ) द्वारा आयोजित 40वें वार्षिक कार्यक्रम में मथुरा के प्रमुख उद्यमियों को सम्मानित किया गया, जिनमें नवल मोटर्स के अभिषेक अग्रवाल को यह सम्मान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अभिषेक अग्रवाल को नकद राशि, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा, व्यवसाय में निरंतर गुणवत्ता और

ऑटोमोबाइल सेक्टर में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने मथुरा के उद्योगपतियों की उपलब्धियों की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि इस सम्मान का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और उनके उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देना है। नवल मोटर्स की इस उपलब्धि से न केवल संस्थान बल्कि पूरे मथुरा क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। कंपनी लंबे समय से गुणवत्ता, विश्वास और बेहतर सेवा के लिए जानी जाती रही है। नवल मोटर्स के निदेशक माधव अग्रवाल ने इस सम्मान को पूरी टीम की मेहनत और ग्राहकों के विश्वास का परिणाम बताया।

वनकामं के उत्तर प्रदेश की इकाई की काव्य गोष्ठी हुई सम्पन्न

कवियों ने बहाई काव्य की रसधारा

प्रयागराज। रविवार को वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, उत्तर प्रदेश की पूर्वी इकाई की एक मासिक ऑनलाइन काव्य गोष्ठी वनाकाव्य मंच के बिहार इकाई की अध्यक्षा अंजू भारती के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इसमें वरिष्ठ रचनाकार श्रीमती प्रेमा राय, जया मोहन और कविता उपाध्याय का सानिध्य रहा। इस अवसर पर सर्वप्रथम माँ सरस्वती की वंदना पुरुष काव्य गोष्ठी के अध्यक्ष राजेश सिंह राज के वाणी वंदना से हुई। कार्यक्रम का शानदार संचालन वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच उ.प्र. इकाई के अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने किया। वहीं शहर के गणमान्य और लब्ध प्रतिष्ठित वरिष्ठ कवियों ने अपनी रचनाओं से पटल को गूंजायमान किया। इनमें प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि अंजू भारती, वनकामं के संरक्षक संजय सक्सेना, अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, शहर समता के संपादक, कवि, नाटककार, उपन्यासकार उमेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय, कविता उपाध्याय, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, देवी प्रसाद पाण्डेय, जया मोहन, इंदु प्रकाश मिश्रा जमदग्नि, पुष्कर प्रधान, राजेश सिंह राज, मीरा सिन्हा, सी पी श्रीवास्तव, केशव सक्सेना, एस पी श्रीवास्तव ने शानदार काव्य पाठ करके मंच में चार चाँद लगा दिया। धन्यवाद व आभार संजय सक्सेना ने किया।

वाचिक परम्परा में कवि धर्म की सार्थक अवधारणा संजोए रखना जरूरी: अशोक

करछना। आज के बदलते माहौल में मंचों से प्रत्यक्ष होती कविता की वाचिक परम्परा में कवि और काव्य की अस्मिता के साथ साथ कवि धर्म की अवधारणाओं को भी संजोए रखना बहुत जरूरी है। कविता सिर्फ मनोरंजन का पर्याय न बने,भाषागत निजित्वता के अभाव में कवि और कविता भीड़ में खोये रहने से सदैव बच सकें और कविता की रागात्मिक अनूभूतियां एवं वैचारिक धरातल का विम्ब धर्म जीवन्त बना रह सके,इन सभी के प्रति रचनाधर्मियों को सजग रहने की भी जरूरत है। नई सदी के ढाई दशकों में निश्चित रूप से कविता की वाचिक परम्परा काफी समृद्ध हुई। किन्तु इस दौरान मंचों पर नये नये योग वाद, संयोग वाद, डील वाद, रील वाद, मील वाद, छोह वाद और मोह वाद,की अर्थपरक सोच के पर्याय एक बढ़ती नई खेप के बीच नैतिक, राजनैतिक,सामाजिक,धार्मिक, परिदृश्यों की विविधता को लेकर तमाम सार्थक विमर्श एवं संवेदन गढने वाले कलमकारों की फेहरिस्त संकुचित हुई है। काव्य सर्जना की परिधि में, शाब्दिक संस्करण, संयोजन, संगुम्फन से परिपूर्ण शब्दशिल्प, भावप्रवणता, लालित्यपूर्ण अभिव्यंजना, रागात्मक अनुभूतियों से परे तुकबंदियों और जुमले बाजियों का चलन इस परम्परा की इस नई खेप में खपता जा रहा है। सम्मोहन पूर्ण, मनभावन बेतुकी बयान बाजियां या फिर विरदावलियों के ओछे रंग, मनोरंजक चुटकुलेबाजियां या कि अमर्यादित टिप्पणियां, जोरदार तालियों के बीच सबके सब, खपते जा रहे हैं।

सम्पादकीय.....

ईरान पर ट्रम्प की घोषणा को कैसे लें

ईरान से जारी युद्ध के बीच अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्रुथ सोशल पर तत्काल हमले रोकने और बातचीत के पोस्ट से दुनिया में हलचल मच गई। ट्रम्प का पोस्ट सामने आने के साथ ईरान का किसी प्रकार की बातचीत से इंकार करने का बयान कई प्रश्न खड़ा करता है। इस तरह के पोस्ट से सहसा यह संदेश जाएगा ही कि अमरीका ने युद्ध रोक दिया है और बातचीत इस अवस्था में पहुंची है कि युद्धविराम हो जाएगा। किंतु पोस्ट के बावजूद अमरीका की ओर से ईरान पर हमले हो रहे हैं और दोनों लड़ रहे हैं। इस पोस्ट में युद्धविराम शब्द का उल्लेख नहीं है। ध्यान रखिए, इसमें केवल बिजली व ऊर्जा प्रतिष्ठान पर हमले न करने की बात है। दूसरे, इसमें मध्य–पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इसराईल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं, बताने की आवश्यकता नहीं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इसराईल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या यरूशलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा? ट्रम्प प्रशासन की ओर से दिया गया 15 सूत्री प्रस्ताव इसी की पुष्टि करता है। इसे स्वीकार करने का मतलब होगा कि ईरान इसराईल केंद्रित अपनी सभी गतिविधियां समाप्त करेगा तथा न्यूक्लियर कार्यक्रम एवं सैन्य शक्ति के लिए अमरीका की इच्छा अनुसार ही आगे काम कर पाएगा। कुछ विश्लेषकों का मत है कि ट्रम्प पर आंतरिक दबाव है क्योंकि युद्ध के खर्चे से अर्थव्यवस्था पर उल्टा प्रभाव हो रहा है। चूंकि युद्ध संपूर्ण विश्व को दुष्प्रभावित कर रहा है, इसलिए अधिकतर देश इसका अंत चाहते हैं। अमरीका में लोगों को संदेह है कि ट्रम्प आगे टैक्स लगाएंगे और महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने अमरीकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की मांग की है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यह युद्ध के लिए नहीं, पहले से प्रस्तावित है और पूरक है। लेकिन दबाव अमरीका पर होगा, ईरान पर नहीं, यह तर्क हास्यास्पद है। डेढ़ दर्शक से ज्यादा के प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। हमलों से पूर्व ईरान की ध्वस्त अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई ने शासन के विरुद्ध असंतोष को इतना बढ़ा दिया था कि भारी संख्या में लोग सड़कों पर उतर कर सत्ता बदलने की मांग कर रहे थे। इनको अयातुल्ला के आदेश से निर्ममता से कुचला गया था। इसलिए ईरान दबाव मुक्त होकर लंबे समय तक युद्ध करता रहेगा, ऐसा निष्कर्ष उनका होगा जो यथार्थ को नहीं समझते या समझकर भी अनदेखी करते हैं। युद्ध ने ईरान द्वारा विनाशकारी हथियारों के निर्माण और मिसाइल कार्यक्रम को अनुमान से काफी अधिक विस्तार के आरोपों को सही साबित किया है। अगर वह डिएगो गाघ्सया में 4000 किलोमीटर से ज्यादा तक मिसाइल हमले कर सकता है तो इसका अर्थ है ईरान के शस्त्रास्त्रों को लेकर जो अनेक रक्षा विश्लेषक अमरीका को झूठा साबित करने की कोशिश कर रहे थे वे सही नहीं थे। इस दृष्टि से भी अमरीका के लिए उसको कमजोर करना अपरिहार्य हो गया है अन्यथा अरब देश भी रक्षा के लिए नाभिकीय हथियारों की सीमा तक जाने की कोशिश कर सकते हैं। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने ट्रम्प के पोस्ट के 3 दिन पहले कहा था कि उनका युद्ध अमरीका से अलग है। इसका अर्थ है कि अमरीका कभी हमले रोकने या युद्ध न करने की घोषणा कर दे तो भी इसराईल उसका अनुपालन करने को बाध्य नहीं है। वैसे डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी नहीं बताया कि किस ईरानी नेता से बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि वार्ताकार एक 'शीर्ष व्यक्ति' हैं, जो उस देश में 'सबसे सम्मानित' हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का नाम वार्ताकार के रूप में लिया। ईरान बातचीत से इंकार कर रहा है लेकिन संभव है पर्दे के पीछे कुछ संपर्क हुआ हो। सूचना है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की है। पाकिस्तान की हैसियत किसी मामले में प्रभावकारी भूमिका निभाने की नहीं हो सकती। पाकिस्तान ईरान को मना लेगा यह सोचना ही हास्यास्पद है। मुख्य बात है कि आखिर अमरीकी हमले का लक्ष्य क्या था?

खाड़ी देशों के युद्ध के परिणाम और भारत की स्थिति

मंगत राम पासला

खाड़ी देशों के युद्ध के भयानक परिणाम न केवल संबंधित क्षेत्र के लोगों को, बल्कि दुनिया के सभी देशों के लोगों को भुगतने होंगे। यह प्रक्रिया बड़े स्तर पर शुरू भी हो चुकी है। अमरीका–इसराईल ने बिना किसी उकसावे या उचित कारण के ईरान पर हमला बोल दिया। युद्ध छेडने का बहाना बेशक ईरान के पास मौजूद परमाणु हथियारों के भंडारों से अमरीका–इसराईल को संभावित खतरे का बनाया गया है, पर अब न केवल दुनिया भर के लोगों, बल्कि अमरीका के भीतर राष्ट्रपति के करीबी मित्रों ने भी यह बात खुलेआम स्वीकार कर ली है कि ईरान से अमरीका को कोई खतरा नहीं था। सब जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने यह युद्ध अपने चहेते इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्तेजना भरी सलाहों से शुरू किया है। अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद 'नाटो' के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल–जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल–गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। युद्ध के कारण हजारों बेगुनाहों की मौतें (इनमें ईरान के स्कूल में पढने वाली सैंकड़ों छोटी बच्चियां भी शामिल हैं), मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की भारी तबाही और पर्यावरण में फैल रहा जहर पूरी मानवता के लिए जी का जंजाल बनेगा। इस युद्ध ने दुनिया के सारे कायदे–कानून ताक पर रखकर किसी भी स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र (जैसे इराक और वेनेजुएला) पर हमला करके कब्जा करने की अमरीका की लालसा को भी उजागर किया है। इस युद्ध ने भारत की मोदी सरकार द्वारा अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ की गई रणनीतिक सांझेदारियों के परिणामस्वरूप अपनाई गई वर्तमान विदेश नीति का दुनिया भर में दीवाला निकाल दिया है। भारत ने 2 सैन्य गुटों ('नाटो' और 'वारसा') से अलग रहकर गुटनिरपेक्ष देशों का सांझा मंच खड़ा करने में बहुमूल्य योगदान दिया था। परंतु अब भारत ने डटकर ईरान के साथ खड़े होने की बजाय अमरीका–इसराईल युद्धबाज गुट का पक्ष लिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले समय में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों का ऐसा मजाक उड़ाया, जिसे कोई भी स्वाभिमानी स्वतंत्र देश कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। इससे दुनिया भर में भारतीय राजनेताओं की नपुंसक राजनीति भी बेपर्दा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के इन अपमानजनक बयानों के खिलाफ अपनी जुबान से एक शब्द तक नहीं बोला। भारत के निमंत्रण पर नौसेना के अभ्यास में हिस्सा लेने आए ईरान के समुद्री जहाज में सवार 97 सैनिकों को अमरीकी सेनाओं द्वारा हमला करके तब मार दिया गया, जब वे अपने देश ईरान वापस लौट रहे थे। अमरीका की इस अत्यंत निंदनीय कार्रवाई की निंदा करना तो दूर, भारत द्वारा सैनिकों की मौत पर शोक का औपचारिक प्रकटीकरण तक नहीं किया गया। अमरीका के साथ मोदी सरकार की दोस्ती का 'परिणाम' भारत–अमरीका के बीच होने वाले 'मुक्त व्यापार समझौते' में भारत के लिए कई प्रतिकूल शर्तें स्वीकार किए जाने के भयानक नतीजे भारत के किसानों, छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्योगपतियों और व्यापारियों की तबाही के रूप में सामने आने वाले हैं। स्पष्ट है कि अमरीका अपने किसानों को भारी सबसिडी देकर तैयार की गई कृषि वस्तुएं जैसे मक्का, सोयाबीन का तेल, फल, सूखे मेवे आदि भारतीय बाजार में उतारकर हमारी किसानी को खेती से बाहर कर देने की तैयारियां किए बैठा है। हमारा देश साम्राज्यवादी गुलामी के 'नव–उपनिवेशवादी' दौर में पहुंचने जा रहा है, जहां सरकार तो भारतीय लोगों की ही होगी, परंतु आर्थिक नीतियां, व्यापारिक और राजनीतिक फैसले अमरीका की मंजूरी से ही लिए जाएंगे। इसकी ताजा मिसाल खाड़ी युद्ध के दौरान ऊर्जा की कमी के मद्देनजर अमरीका द्वारा बड़े अहंकारी ढंग से भारत को सिर्फ 30 दिनों के लिए रूस से तेल खरीदने की इजाजत दिए जाने से मिलती है। ड्क्षचता इस बात की है कि भारत को साम्राज्यवादी देश अमरीका और इसके सांझेदारों द्वारा बनाए गए आर्थिक और राजनीतिक 'चक्रव्यूह' से बाहर निकलने के लिए हमें आजादी की एक और जंग लडनी पड़ सकती है। यह जंग 1947 में प्राप्त की गई आजादी के लिए लड़े गए लंबे राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम की तुलना में कहीं अधिक कठिन और खतरनाक होगी।

एच.पी.वी. टीकाकरण : सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की दिशा में बहुत बड़ा कदम

नीरजा भटला

सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल इसके लगभग 1 लाख नए मामले सामने आते हैं और इनमें से करीब आधे मामलों में मौत हो जाती है, जो दुनिया भर के कैंसर के बोझ का लगभग एक–चौथाई है। पीड़ित महिलाएं अपेक्षाकृत कम उम्र की होती हैं और परिवार व समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही होती हैं। कैंसर विशेषज्ञ के रूप में, मैंने उनकी तकलीफों को करीब से देखा है। ऐसी महिलाएं, जिनमें चौथी स्टेज में इस रोग का पता चला, उनमें यूरिनरी फिस्टुला विकसित हो चुका था और कंसल्टिंग रूम में उनके दाखिल होने से पहले ही बदबू आने लगती थी। फिर कुछ अपेक्षाकृत भाग्यशाली महिलाएं भी थीं, जिन्हें शुरुआती अवस्था में ही इस रोग से ग्रसित होने के बारे में पता चल गया और जब यह बीमारी ठीक हो सकती थी, लेकिन सिर्फ रैडिकल सर्जरी या कीमो और रेडिएशन थैरेपी से। ऐसे में गहन या एग्रेसिव सर्जरी का शरीर पर असर हुआ, लंबे समय तक चले रेडिएशन उपचार के कारण देखभाल करने वालों को पढ़ाई या काम से वंचित रहना पड़ा। इसके अलावा, हमारे हरसंभव प्रयासों के बावजूद कुछ मामलों में कैंसर दोबारा लौट आया, जिसके लिए और भी जटिल प्रक्रियाओं, जैसे एक्सैंटरेशन सर्जरी और स्टोमा आदि की आवश्यकता पड़ी। हां, हम इलाज कर सकते थे, लेकिन इसकी शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक कीमत चुकानी होती। और भी दुखद बात यह थी कि इस बीमारी की रोकथाम की जा सकती थी। 1940 के दशक से ही पश्चिमी देशों में नियमित पैप स्मीयर जांच के माध्यम से द्वितीयक रोकथाम की व्यवस्था की गई थी, जिससे न केवल कैंसर का, बल्कि रोग की प्रारंभिक अवस्थाओं का भी पता लगाया जा सकता था। भारत और अन्य निम्न–मध्यम आय वाले देशों (एल.एम.आई.सी.) में हमारे पास इतनी बुनियादी सुविधाएं और प्रशिक्षित जनशक्ति नहीं थी कि 30 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं की जीवन में एक बार भी जांच की जा सके, जबकि हर 3 साल के अंतराल पर यह जांच कराने की सलाह दी गई थी। यहां तक कि आज भी, विजुअल इंस्पैक्शन (वी.आई.) के माध्यम से राष्ट्रीय स्क्रीनिंग कार्यक्रम होने के बावजूद, स्क्रीनिंग कवरेज 5 प्रतिशत से अधिक नहीं है और जिन महिलाओं का टैस्ट पॉजिटिव पाया जाता है, उन्हें अस्पताल लाकर रोग की पुष्टि के लिए बायोप्सी और उपचार कराना भी बेहद कठिन होता है। एच.पी.वी. टीकाकरण ने 2006 में एक उम्मीद भरे सुपरहीरो की तरह इस परिदृश्य में प्रवेश किया। एक साधारण सा इंट्रामस्क्युलर इंजैक्शन इतनी बड़ी तकलीफ से बचा सकता है! यह वास्तव में बेहद उत्साहजनक संभावना थी। अब तक 500 मिलियन से अधिक खुराकें दुनिया भर में और लगभग 4 मिलियन खुराकें भारत में दी जा चुकी हैं। व्यवस्थित परीक्षणों और पोस्ट–मार्कीटिंग सर्विलांस से प्राप्त समेकित आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि टीका लगवाने वाली महिलाओं में सामान्य आबादी की तुलना में प्रतिकूल प्रभावों में कोई वृद्धि नहीं हुई। उनमें क्षणिक हल्की प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं, जो सभी टीकों में सामान्य होती हैं। इन टीकों का प्रजनन क्षमता, जन्म दर, जन्मजात विकृतियों या मासिक धर्म के पैटर्न पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पाया गया। डब्ल्यू.एच.ओ. की सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पहल का लक्ष्य सर्वाइकल कैंसर को एक दुर्लभ कैंसर बनाना है, जिसके होने की दर प्रति 1 लाख में केवल 4 मामलों तक सीमित हो। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2030 तक 15 वर्ष की आयु से पहले 90 प्रतिशत लड़कियों का एच.पी.वी. टीकाकरण, 35 और 45 वर्ष की आयु में 70 प्रतिशत महिलाओं की एच.पी.वी. परीक्षण द्वारा स्क्रीनिंग और जिन महिलाओं में रोग के लक्षण पाए जाएं, उनमें से 90 प्रतिशत का उपचार जैसे कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्यों को हासिल करना आवश्यक है। आखिरकार, अब उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है–माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान को देशव्यापी स्तर पर लांच किया जाना, महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को महत्व दिलाने की दिशा में सर्वोच्च राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत है, जिसकी वे हकदार हैं।

युद्ध ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का ढोंग उजागर किया

पूरन चंद सरीन

सरकारी विभागों के छोटे से लेकर बड़े से बड़े अधिकारियों और नीचे से लेकर ऊपर तक के नेताओं ने इस बात को जोर–शोर से प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि भारत आत्मनिर्भर हो गया है और देश तीसरी या चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री का वक्तव्य कि वर्तमान चुनौती कोरोना काल की तरह है और सब को मिलकर इसका सामना करना है, से आशंका होती है कि वास्तविकता क्या है? प्रश्न यह है कि यदि हमारी ईंधन, बिजली आपूर्ति और गैर पारंपरिक स्रोतों से ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी कर रहे होते, बल्कि जो देश युद्ध के दौरान इस संकट से जूझ रहे हैं, उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा बेचकर मुनाफा कमा रहे होते?हमारे सर्वज्ञानी प्रशासक और भविष्य का अनुमान लगाने में माहिर नेतृत्व इस विषय में कुछ सोच ही नहीं सका और यह तो अब जनता को पता चल रहा है कि हम 41 देशों से प्रार्थना कर रहे हैं कि अपना तेल मुंह मांगे दाम पर हमें दे दो, वर्ना हम तो कोरोना काल की तरह असहाय हो जाएंगे। देश में तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की कमी महसूस होने लगी है, सिलैंडर के लिए लाइनें और मारपीट शुरू हो गई है और इसका असर उन पर अधिक पड़ रहा है, जो छोटे सिलैंडर से अपनी जरूरतें पूरी करते थे, पाइपलाईन से गैस मिलना उनकी किस्मत में नहीं है और अब मिट्टी के तेल और लकड़ी से जलने वाले चूल्हे खोज रहे हैं। पैसे वालों ने बिजली से चलने वाले उपकरण खरीद लिए और मार्कीट में अब उनका भी टोटा है। सन् 1970 में भी तेल का संकट हुआ था। तब विश्व के दूरदर्शी नेताओं ने सोचा कि अगर तेल मिलना बंद हो गया तो क्या होगा? उस समय अनेक देशों ने इस बात की गंभीरता समझकर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से बिजली बनानी शुरू की और आज उन देशों में 10 प्रतिशत के लगभग पैट्रोलियम पदार्थों का उपयोग होता है और हम 90 प्रतिशत तक तेल उत्पादक देशों पर निर्भर हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में प्राकृतिक ऊर्जा के रूप में सौर, पवन, जल और अवशिष्ट पदार्थों के अक्षय भंडार हैं। मौसम की विशेष कृपा है। ये ऐसे साधन हैं जो कितना भी इस्तेमाल करो, जरा भी कम नहीं होंगे। इसे देखते हुए 1980 में पहल की गई कि अलग से एक विभाग हो, जो इनके उपयोग के बारे में सटीक जानकारी दे और उसके आधार पर योजनाबद्ध तरीके से नवीन ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन किया जाए और हम तेल की खपत कम कर सकें। इस बात को 50 से अधिक वर्ष हो गए और हम इन संसाधनों को न तो पूर्ण रूप से विकसित कर पाए और न ही दूसरे देशों पर निर्भरता कम कर पाए। वजह बताई गई कि तेल आयात करना अपने यहां के कुदरती खजाने का इस्तेमाल करने से सस्ता है। कमाल की सोच थी, अद्भुत दूरंदेशी और बेमिसाल नीति, जो इस कहावत को चरितार्थ करे कि 'बगल में छोरा और शहर में ढिंढोरा'।

इससे भी ज्यादा खतरनाक यह था कि इन ऊर्जा स्रोतों को इतना महंगा कर देना कि आम नागरिक नहीं, विलासिता का जीवन जीने वाले ही उनके उपयोग की क्षमता रखते हों। उदाहरण के लिए किसी ने बैटरी से चलने वाली कार या कोई अन्य वाहन खरीदा तो बैटरी चार्जिंग का दूर–दूर तक कोई इंतजाम नहीं। इनके मैकेनिक मिलना आसान नहीं और एक बार खराबी हुई तो कबाड़ में बेचना पड़ सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग करने की अनेक तकनीकें विकसित हुईं ताकि गांव–देहात की गलियां, सड़कें और घर कभी अंधेरे का शिकार न हों। उम्मीद थी कि पवन ऊर्जा प्राप्त करने के लिए बड़ी–बड़ी बांहों वाले पंखे रेल या हवाई यात्रा के दौरान दिखाई देंगे लेकिन आज शायद ही इन्हें देखने का सौभाग्य किसी को मिलता होगा। इसी तरह वर्षा यानी जल संरक्षण कर हाइड्रो ऊर्जा प्राप्त करने के संयंत्र हर गांव नगर में लगाए जाते तो आज तेल के दामों से परेशान नहीं होते। हरित ऊर्जा के उत्पादन से देश को आत्मनिर्भर बनाना ऐसा अवसर है कि हम अपनी जरूरतों को तो पूरा करते ही हैं, साथ में उन देशों को भी अंधेरे से बचा सकते हैं जो तेल की कमी से जूझ रहे हैं लेकिन यह हो न सका। परिवहन और यातायात तथा किसी भी साधन से यात्रा करने के लिए पैट्रोलियम पदार्थों पर निर्भरता का अर्थ है कि यदि सप्लाई रुकी तो सब कुछ ठप्प हो जाएगा। अगर हम प्राकृतिक स्रोतों के इस्तेमाल की सही नीति बना लेते तो वर्तमान संकट नहीं होता। जो तेल उत्पादक देश हैं, उनके भंडारों और संस्थानों के तबाह होने की स्थिति में भारत की अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान होगा, इसका अनुमान प्रधानमंत्री तथा संबंधित विभागों के मंत्रियों के वक्तव्यों से साफ तौर से झलकता है।

यह छलावा है कि पैट्रोलियम पदार्थों के सस्ता होने के कारण वैकल्पिक ऊर्जा को महंगा रखा जाए। आज इस गलती का अहसास हो रहा है। सरकार ने धूप, हवा, पानी की ताकत को व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल के लिए समयबद्ध तरीके से योजनाएं बनाई होतीं तो आज उनका असर होता। हम तेल से लगने वाली आग से बच सकते हैं अगर देश सोलर पावरहाऊस बन सके। पैट्रोलियम की जगह विद्युतीकरण की लहर चलानी होगी। इनके उपयोग को प्रोत्साहन देने, सबसिडी का लालच देकर लुभाने की बजाय सरकार को नियम बनाने होंगे कि अब सब कुछ उस बिजली से चलेगा, जो सौर ऊर्जा कहलाती है। जलशक्ति का सही उपयोग और कूड़े–कचरे से गैस बनाने के प्लांट हर गली कूचे में लगाने के लिए नागरिकों को प्रेरित करना होगा। जो नहीं हुआ उसे अब तो करिए, वर्ना देश आत्मनिर्भर नहीं होगा। भाषणों पर राशन लगाइए और देश के वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों का पूरा लाभ उठाने की नीति बनाकर उस पर अमल करने का काम कीजिए।

नहीं थम रही 'धुरंधर 2' की रफ्तार, बनी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म, रॉकी भाई को पीछे छोड़ा

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' हर बीतते दिन के साथ एक नए कीर्तिमान को स्थापित कर रहा है। फिल्म को लेकर लोगों की राय भले अलग–अलग हो, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। अब 11 दिनों में ही 'धुरंधररू द रिवेंज' भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी फिल्म बन गई है। जबकि वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म और तीसरी बॉलीवुड फिल्म बन गई है। जानते हैं अब तक कितना हुआ फिल्म का कलेक्शन और अब तक किन–किन रिकॉर्ड्स को अपने नाम कर चुकी है 'धुरंधर 2'?

'धुरंधर–रिवेंज' सिर्फ 11 दिनों में ही सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी बॉलीवुड फिल्म बन गई है। सैकनिल्क के मुताबिक, 11 दिनों में 'धुरंधर 2' ने भारत में 846.87 करोड़ रुपए की कमाई की है। जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन अब 11 दिनों में 1361.95 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। इस तरह से 'धुरंधर 2' ने शाहरुख खान की 'जवान' को पीछे छोड़ दिया है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों के मामले में भी 'धुरंधर 2' पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में इसने केजीएफ–चैप्टर 2 को पीछे छोड़ दिया है। केजीएफ–चैप्टर 2 का नेट वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1250 करोड़ रुपये है। लेकिन अब 'धुरंधर 2' का कलेक्शन 1361.95 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हालांकि, अभी 'धुरंधर 2' अपने पहले पार्ट 'धुरंधर' से पीछे है। 'धुरंधर 2' अभी भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों के मामले में भी 'धुरंधर' से पीछे है। हालांकि, इस लिस्ट में वो दूसरे नंबर पर जरूर पहुंच गई है। यानी अब पहले और दूसरे दोनों ही नंबर पर 'धुरंधर' ही हैं। बॉलीवुड फिल्मों के डोमेस्टिक नेट कलेक्शन की बात करें तो पहले नंबर पर 'धुरंधर' (895.96 करोड़) है। जबकि अब दूसरे नंबर पर 'धुरंधर 2' 846.87 करोड़ रुपए के साथ पहुंच चुकी है। हालांकि, फिल्म की रफ्तार देखकर ये उम्मीद है कि 'धुरंधर 2' जल्द ही सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म भी बन जाएगी।

'धुरंधर 2' ने विदेशों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और उत्तरी अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इसने पूरे क्षेत्र में 22 मिलियन डॉलर (205 करोड़ रुपये) से अधिक की कमाई की है। इसके साथ ही 'धुरंधर 2' ने लगभग एक दशक पहले 'बाहुबली 2–द कंक्लूजन' द्वारा बनाए गए 20 मिलियन डॉलर (186 करोड़ रुपये) से अधिक के रिकॉर्ड को आसानी से पार कर लिया है। यानी नॉर्थ अमेरिका में कमाई के मामले में अब 'धुरंधर 2' सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। 'धुरंधर 2' का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म भारत के खुफिया जासूस हमजा अली मजारी (रणवीर सिंह) के ऊपर आधारित है। इस फिल्म में कई सच्ची घटनाओं को क्रिएटिव लिबर्टी लेकर दिखाया गया है। हालांकि, फिल्म को कई मुद्दों को लेकर आलोचनाओं का भी शिकार करना पड़ रहा है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, आर माधवन, सारा अर्जुन और दानिश पंडोर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

दीया मिर्जा ने मनाया बेटी समायरा का 17वां जन्मदिन, शेयर की तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा की बेटी आज पूरे 17 साल की हो गई हैं। दीया ने बेटी समायरा के साथ कई अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही दीया ने बेटी के प्यारा नोट भी लिखा है। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने आज अपनी बेटी समायरा को 17वें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर समायरा के साथ बचपन की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ दिया ने कैप्शन में लिखा, श्मेरी प्यारी बच्ची को 17वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। तुम जो चाहो वो बन सकती हो। हमेशा यह जानो कि हम तुम्हारे साथ हो। तुम्हें प्यार करने के लिए, तुम्हारा साथ देने के लिए, तुम्हें गले लगाने के लिए और तुम्हें सुरक्षित महसूस कराने के लिए। दीया मिर्जा ने अप्रैल 2014 में अपने लंबे समय के साथी साहिल संघा से सगाई की थी। इसके बाद 18 अक्तूबर 2014 को दोनों की शादी हो गई थी। इसके बाद अगस्त 2019 में दोनों अलग हो गए। 15 फरवरी 2021 को दीया मिर्जा ने बिजनेसमैन वैभव रेखी से शादी की। वैभव रेखी की पहली शादी से एक बेटी समायरा रेखी है, जो अब दीया की सौतेली बेटी हैं।

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई इस दिग्गज एक्टर की एंट्री, निभाएंगे यह प्रमुख दमदार किरदार

मैडॉक का हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा श्सलाम वेंकीश के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा श्थामाश के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी। विनीत कुमार सिंह ने पिछले साल आई विक्की कौशल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में कवि कलश की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर प्रशंसा हुई थी। अब विनीत कुमार सिंह के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। विनीत कुमार सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हेलो बच्चों' में नजर आए थे।

कई बातों को संभालना मुश्किल टिहरी सॉन्ग के विवाद पर बादशाह ने तोड़ी चुप्पी, कहा–जिंदगी जितनी परफेक्ट दिखती, उतनी होती नहीं

फेमस रैपर और सिंगर बादशाह अपने गाने टटिहरी को लेकर खूब विवादों में आए। वहीं इन विवादों के बीच बादशाह ने गुपचुप दूसरी शादी रचाकर सबको हैरान कर दिया है। वहीं, अब शादी के बाद सिंगर ने अब हाल ही में टटिहरी विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि ये समय उनके लिए कितना मुश्किल रहा है। हाल ही में बादशाह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर किया और लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों ने उन्हें ऐसे हालात में डाल दिया, जिसके लिए वो पूरी तरह तैयार नहीं थे। बाहर से उनकी जिंदगी जितनी परफेक्ट दिखती है, असल में उतनी आसान नहीं होती। कैमरों के पीछे कई ऐसी बातें होती हैं, जिन्हें संभालना मुश्किल होता है। बादशाह ने आगे कहा इस दौरान वो काफी कुछ सोचते रहे और खुद को समझने की कोशिश करते रहे। हालांकि, लंदन के ट2 एरिना में परफॉर्म करते वक्त उन्हें फैंस का जबरदस्त प्यार मिला, जिसने उन्हें फिर से हिम्मत दी। स्टेज पर जाते ही फैंस की एनर्जी, उनकी आवाजें और उनका सपोर्ट उन्हें याद दिला गया कि वो कौन हैं और इस सफर का मकसद क्या है। बता दें, टटिहरी सॉन्ग को लेकर बादशाह को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। विवाद बढ़ता देख उन्होंने सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी थी। वहीं, इन सबके उन्होंने पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी संग दूसरी शादी कर सबको हैरान कर दिया। पहली वाइफ से तलाक के 6 साल बाद बादशाह ने गुपचुप दूसरी शादी रचाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

मदरहुड ने बदली कियारा आडवाणी की जिंदगी, कहा–मां बनने के बाद शेरनी की तरह महसूस करती हूं..

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने के बाद काम पर लौट आई हैं। मां बनने के एक्ट्रेस और भी खूबसूरत हो गई हैं। बेटी के जन्म के बाद उनके सिर्फ लुक में ही बदलाव नहीं आया, बल्कि जिंदगी को देखने का नजरिया भी बदल गया है। कियारा का मानना है कि मदरहुड के बाद उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कियारा ने खुलकर बताया कि मदरहुड ने उनकी सोच और जिंदगी को कैसे बदला है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कियारा आडवाणी ने बताया कि मां बनने के बाद वो पहले से ज्यादा मजबूत और प्रोटेक्टिव हो गई हैं। अब वो खुद को एक शेरनी की तरह महसूस करती हैं। उनका जिंदगी को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल चुका है। एक तरफ लगता है कि कुछ भी इतना जरूरी नहीं और दूसरी तरफ हर छोटी चीज भी मायने रखने लगती है। उन्होंने कहा शादी से पहले और अब भी उनकी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की बॉन्डिंग वैसी ही बनी हुई है। दोनों साथ में घूमना, फिल्में देखना और उन पर बातें करना आज भी उतना ही एंजॉय करते हैं। बता दें, मां बनने के बाद कियारा जल्द ही फिल्म टॉक्सिक के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं, जिसमें वो नादिया का किरदार निभाएंगी। फिल्म में उनके साथ साउथ स्टार यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत नजर आएंगे। फिल्म जल्द ही यानी 4 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गर्मी में मिलेगी दमकती त्वचा, बस सेब के छिलके का ऐसे करें इस्तेमाल

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन ज्यादा देखभाल मांगती है। ऐसे में हम तरह–तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। जबकि स्किन की नेचुरल तरीके से भी देखभाल की जा सकती है और इसके लिए फलों के छिलकों का इस्तेमाल करना ही काफी है। इन्हीं में से एक है सेब का छिलका। बहुत से लोगों की आदत होती है कि वे सेब को छीलकर खाते हैं और फिर उसके छिलकों को यूं ही बाहर फेंक देते हैं। जबकि इनकी मदद से आप गर्मी में अपनी स्किन को पैम्पर कर सकती हैं।

दरअसल, सेब के छिलके में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और नेचुरल एसिड होते हैं जो स्किन को ब्राइटन करते हैं और टैनिंग को कम करते हैं। साथ ही साथ, इससे स्किन पोर्स को टाइटन करने में भी मदद मिलती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि सेब के छिलके से गर्मी में अपनी स्किन का ख्याल किस तरह रख सकते हैं–

सेब के छिलके से बनाएं स्क्रब

गर्मी के मौसम में सेब के छिलके से स्क्रब बनाया जा सकता है। यह डेड स्किन व टैन हटाता है। साथ ही, स्किन को एक चमक देता है।

आवश्यक सामग्री–

1 चम्मच सेब के छिलके का पाउडर

1 चम्मच चीनी

थोड़ा सा शहद

कैसे बनाये

सबसे पहले सेब के छिलके को सुखाकर उसका पाउडर बना लो।

अब पाउडर में चीनी व थोड़ा सा शहद डालकर मिक्स करें।

इससे चेहरे पर धीरे से 2–3 मिनट तक मालिश करें।

फिर धो लो।

सेब के छिलके से बनाएं आइस क्यूब

गर्मी में आइस क्यूब का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन को ठंडक मिलती है। सेब के छिलके के आइस क्यूब अतिरिक्त तेल व पसीने को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, पोर्स को टाइटन भी करते हैं।

आवश्यक सामग्री

सेब के छिलके

पानी

आइस ट्रे

कैसे बनाये

सेब के छिलके को पानी में डालकर उबाल लीजिये।

अब पानी ठंडा होने दो।

बर्फ की ट्रे में पानी को जमने के लिए रख दें।

मेकअप से पहले सुबह चेहरे पर इससे रब करें।

सेब के छिलके से बनाएं टोनर

यह टोनर ना केवल स्किन को रिफ्रेशिंग लुक देता है, बल्कि यह एक माइल्ड एक्सफोलिएशन की तरह भी काम करता है।

आवश्यक सामग्री–

सेब के छिलके

पानी

कैसे बनाये

सेब के छिलके को पानी में उबाल लीजिये और फिर कुछ देर ठंडा होने दें।

अब इसे छानककर बोतल में स्टोर करें।

फिर कॉटन से स्प्रे करें।

इस टोनर को फ्रिज में 4–5 दिन तक स्टोर किया जा सकता है।

ठंडक देने वाला गोंद कतीरा, हर किसी के लिए नहीं होते फायदेमंद

गर्मी का मौसम आते ही शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में देसी सुपरफूड गोंद कतीरा न सिर्फ आपको लू और तेज गर्मी से बचाता है, बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखकर कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत दिलाता है। दिखने में यह क्रिस्टल जैसा होता है, जो पानी में भिगोने पर जेली की तरह फूल जाता है और शरीर को ठंडक पहुंचाता है।

गोंद कतीरा क्या होता है?

गोंद कतीरा एक प्राकृतिक खाद्य गोंद है, इसमें कोई खास स्वाद या गंध नहीं होती, लेकिन इसके गुण बेहद असरदार होते हैं। यह गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने और हाइड्रेट करने में मदद करता है।

गर्मियों में गोंद कतीरा खाने के जबरदस्त फायदे

शरीर को ठंडक देता है: गोंद कतीरा में प्राकृतिक कूलिंग गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को संतुलित रखते हैं और लू से बचाने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है: इसमें मौजूद फाइबर और एंजाइम पाचन को बेहतर करते हैं और कब्ज, एसिडिटी व डायरिया जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

त्वचा को बनाता है ग्लोइंग: गर्मी में त्वचा पर सनबर्न और रैशेज आम हैं। गोंद कतीरा शरीर को हाइड्रेट करके त्वचा को अंदर से पोषण देता है और जलन को शांत करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है: इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, जिससे आप कम बीमार पड़ते हैं।

गोंद कतीरा खाने के आसान तरीके

शरबत बनाकर: रातभर भिगोकर ठंडे शरबत में मिलाएं

फ्रूट सलाद में: फलों के साथ मिलाकर खाएं

लड्डू के रूप में: सर्दियों में ऊर्जा के लिए

आइसक्रीम में: ठंडक के साथ स्वाद।

गोंद कतीरा खाने के नुकसान

कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है

ज्यादा खाने पर गैस और ब्लोटिंग हो सकती है

अधिक सेवन से उल्टी या दस्त की समस्या हो सकती है।

गोंद कतीरा एक सस्ता, प्राकृतिक और असरदार देसी उपाय है, जो गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के साथ–साथ पाचन, त्वचा और इम्यूनिटी के लिए भी फायदेमंद है। बस इसे सही मात्रा में और सही तरीके से सेवन करना जरूरी है।

पाचन तंत्र को मजबूत और हेल्दी बनाने के लिए जरूर लें ये 3 मील्स, बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

खुद को फिट और हेल्दी रखने के लिए गट को मजबूत बनाना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि अगर गट सही तरीके से काम करता है, तो बीमारियों का खतरा काफी कम होता है। गट यानी की पाचन क्रिया, जो हम खाते हैं उसको पचाने का काम करता है। यदि हमारे शरीर में पाचन क्रिया सही से काम नहीं करती है, तो इससे बॉडी के दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचता है। वहीं गट हेल्थ में लापरवाही बरतने पर इसका सीधा असर पाचन और इम्यूनिटी पर पड़ सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप गट को किस तरह से हेल्दी रख सकते हैं। बता दें कि गट को हेल्दी रखने के लिए किसी दवा या ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं होती है। आप अपने खानपान के जरिए ही इसको स्वस्थ रख सकते हैं। आज हम आपकी 3 ऐसे मील्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डाइट में शामिल करने से आप गट को हेल्दी बना सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के मुताबिक गट को हेल्दी बनाए रखने के लिए सब्जियों और दाल आदि को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। वहीं मसाले वाले खाने का कम से कम सेवन करना चाहिए। क्योंकि जब खाने में ज्यादा मसाले का इस्तेमाल किया जाता है, तो यह आपकी पाचन क्रिया को कमजोर कर सकता है।

खिचड़ी

अधिकतर लोग खिचड़ी का नाम सुनते ही मुंह बना लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खिचड़ी सेहत और स्वाद का खजाना होती है। दाल, चावल और कई तरह की सब्जियों को मिलाकर बनने वाली खिचड़ी में पोषक तत्व पाए जाते हैं। इस तरह की खिचड़ी में डायटरी फाइबर्स, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। वहीं इसमें फैट और कैलोरी की भी काफी कम मात्रा पायी जाती है। जिसके चलते इसको पचाना काफी आसान होता है। खिचड़ी खाने से भूख कम लगती है और फाइबर युक्त होने के कारण यह पाचन क्रिया को दुरुस्त करने में सहायक होती है। आप लंच या डिनर में खिचड़ी शामिल कर सकते हैं।

दाल–चावल

दाल–चावल न सिर्फ कंप्लीट मील होता है, बल्कि यह दिल की सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। रोजाना दाल–चावल खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है और यह आपके मूड को बेहतर बनाता है। इसमें प्रोटीन और फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिससे आपको पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। साथ ही यह गट को भी हेल्दी बनाने में मदद करता है।

वेजिटेबल सूप

बता दें कि सूप अपने आप में एक कंप्लीट मील है। रात को डिनर, लंच या फिर स्नैक्स की क्रेविंग को खत्म करने के लिए आप सूप का सेवन कर सकते हैं। सूप कई तरह की सब्जी और दाल को मिलाकर बनाया जाता है। यह पाचन क्रिया के लिए काफी अच्छा होता है। सूप में डाली गई सब्जियों में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में जब आप सब्जियों से बने सूप का सेवन करते हैं, तो शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और बीमारियों का खतरा काफी कम होता है।

चुपचाप महिलाओं को अपना शिकार बना रही टीबी! ये लक्षण दिखें तो तुरंत कराएं जांच

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। हल्का बुखार, थकान या कमजोरी जैसी समस्याओं को सामान्य समझकर लोग अक्सर इन्हें इग्नोर कर देते हैं और बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर या बुखार की दवा लेकर काम चला लेते हैं। लेकिन सच यह है कि यही मामूली लगने वाले लक्षण कई बार टीबी जैसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। समय रहते इसकी पहचान और सही इलाज शुरू कर दिया जाए, तो मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। इसलिए इन संकेतों को हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या है टीबी और कैसे फैलती है?

टीबी एक संक्रामक बैक्टीरियल बीमारी है, जो हवा के जरिए फैलती है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो उसके साथ बैक्टीरिया हवा में फैल जाते हैं और दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि समय पर इलाज मिलने पर यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो सकती है, लेकिन लापरवाही इसे खतरनाक बना देती है।

महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है खतरा?

कुछ स्वास्थ्य रिपोर्ट्स के अनुसार महिलाओं में टीबी तेजी से बढ़ रही है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं

पोषण की कमी (कुपोषण)

कमजोर इम्यून सिस्टम

घर और काम की दोहरी जिम्मेदारी

समय पर जांच न कराना

भीड़भाड़ वाले वातावरण में रहना।

महिलाओं में अलग तरीके से दिखते हैं लक्षण

महिलाओं में टीबी सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह प्रजनन अंगों को भी प्रभावित कर सकती है, जिसे फीमेल जेनिटल टीवी कहा जाता है।

किन अंगों पर पड़ता है असर?

फेलोपियन ट्यूब: गर्भधारण में दिक्कत

गर्भाशय: पीरियड्स अनियमित

ओवरी: हार्मोनल असंतुलन

सर्विक्स: लंबे समय तक छिपा संक्रमण।

इन लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

अगर लंबे समय तक ये संकेत दिखें तो तुरंत जांच कराएं

लगातार हल्का बुखार

रात में ज्यादा पसीना आना और अचानक वजन घटना होना।

भूख कम लगना और पेल्विक दर्द होना।

असामान्य ब्लीडिंग और सफेद पानी (वजाइनल डिस्चार्ज) होना।

क्यों खतरनाक है देरी?

अगर समय पर टीबी का इलाज नहीं किया गया तो यह

शरीर के अन्य अंगों तक फैल सकती है

महिलाओं में बांझपन का कारण बन सकती है

कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है।

टीबी के लक्षण दिखें तो सही तरीके से इलाज कराएं

लंबे समय तक लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से मिलें

पूरा इलाज (6–9 महीने) बिना छोड़े करें

पौष्टिक आहार लें और इम्यूनिटी मजबूत बनाएं

साफ–सफाई और वेंटिलेशन का ध्यान रखें।

टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है। बशर्ते इसे समय रहते पहचान लिया जाए। महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को पीछे रख देती हैं, लेकिन यह आदत बदलना बेहद जरूरी है। अगर आपको या आपके आसपास किसी महिला में ऐसे लक्षण दिखें, तो देर न करें। जांच कराएं और सही इलाज शुरू करें।

संक्षिप्त

यूएस डॉलर के मुकाबले रुपया 128 पैसे हुआ मजबूत, रिजर्व बैंक के सख्त फैसले का दिखा असर

नई दिल्ली,एजेंसी। निचले स्तर से उबरते हुए 128 पैसे की मजबूती के साथ 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह रिकवरी उस समय देखने को मिली जब रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए ओवरनाइट नेट ओपन पोजिशन की सीमा घटाकर 100 मिलियन डॉलर कर दी। ओवरनाइट नेट ओपन पोजिशन वह सीमा होती है, जिसके तहत बैंक एक दिन के कारोबार के बाद (यानी रातभर) विदेशी मुद्रा में कितना जोखिम लेकर बैठे रह सकते हैं। आरबीआई ने 27 मार्च 2026 के सर्कुलर के जरिए यह नई सीमा तय की है, जिसका पालन बैंकों को 10 अप्रैल तक करना होगा। इस फैसले के बाद बैंकों को अपनी लंबी पोजिशन कम करनी पड़ सकती है, जिससे बाजार में डॉलर की सप्लाई बढ़ी और रुपये को सपोर्ट मिला। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 93.62 पर खुला और बाद में 93.57 तक मजबूत हुआ। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 89 पैसे टूटकर 94.85 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पाबरी के मुताबिक, बैंकों द्वारा पोजिशन कम करने की प्रक्रिया के चलते बाजार में डॉलर बिक सकता है, जिससे अल्पावधि में रुपये को राहत मिल रही है। हालांकि यह मजबूती मूलभूत आर्थिक बदलाव के बजाय तकनीकी कारणों से है। इसके बावजूद रुपये पर दबाव बना हुआ है। डॉलर इंडेक्स 100 के ऊपर बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं कच्चे तेल की कीमतें भी ऊंचे स्तर पर हैं, जिससे भारत जैसे बड़े आयातक देश में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आता है। ब्रेंट क्रूड करीब 115 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जो 2: से अधि ाक की तेजी दिखा रहा है। घरेलू शेयर बाजार की बात करें तो, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 4,367.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

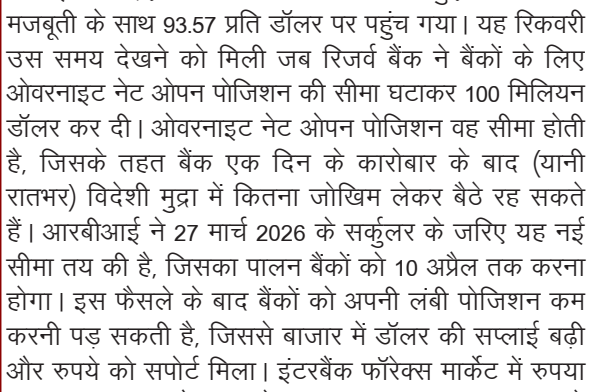

लाल निशान पर खुला बाजार, सेंसेक्स 1191 अंक टूटा, निफ्टी 22500 के नीचे

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है। इसी के चलते सोमवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू शेयर बाजारों की कमजोरी को और बढ़ा दिया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे की मजबूती के साथ 93.57 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक तेजी से नीचे कारोबार कर रहे थे, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहा था।

शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 2.15 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.73 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 1.67 प्रतिशत की गिरावट आई। पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव, कमजोर होते रुपये और भारत की विकास दर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के प्रभाव को लेकर चिंताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने मार्च में घरेलू शेयरों से 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब अमेरिकी डॉलर) निकाल लिए हैं, जो अब तक का सबसे खराब मासिक बहिर्वाह है। अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि यह दबाव काफी हद तक बाहरी है, क्योंकि बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का निवेशकों की भावना पर लगातार प्रभाव बना हुआ है। एशियाई बाजारों में भारी गिरावट के साथ शुरुआत हुई है, जिसमें दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई तेजी से गिरे हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही व्यापक स्तर पर आई इस कमजोरी ने क्षेत्र में नए सिरे से तनाव बढ़ा दिया है। यमन के हौथियों द्वारा कथित तौर पर इजरायल पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई है। यह संघर्ष के दायरे में विस्तार का संकेत है और इससे क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता बने रहने की आशंकाएं बढ़ गई हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.32 प्रतिशत गिरकर 115.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,367.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,566.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,690.23 अंक या 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 486.85 अंक या 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर समाप्त हुआ।

तीन साल की उम्र में मां का निधन, दादी की परवरिश और चाचा का त्याग

हैदराबाद,एजेंसी। आईपीएल के उभरते सितारे सनराइजर्स हैदराबाद के अनिकेत वर्मा की कहानी सिर्फ क्रिकेट की नहीं, बल्कि दर्द, संघर्ष और हौसले की कहानी है। उनकी जिंदगी की शुरुआत ही एक ऐसे दर्द से हुई, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। महज तीन साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां को खो दिया। उस उम्र में जब बच्चे दुनिया को समझना शुरू करते हैं, अनिकेत के हिस्से में एक गहरा खालीपन आ गया। घर में हालात बदल गए। पिता ने दूसरी शादी कर ली, लेकिन अनिकेत के जीवन में सबसे बड़ा सवाल था, अब उनका सहारा कौन बनेगा? तभी उनकी दादी और चाचा उनका सहारा बने। इन दोनों ने अनिकेत को एक स्टार बनाने के लिए सबकुछ त्याग दिया। उन्होंने खुद दर्दभरी जिंदगी काटी, लेकिन अनिकेत के सफलता के रास्ते में कोई कठिनाई नहीं आने दी। अब अनिकेत आईपीएल में खूब चमक रहे हैं, लेकिन उनका सफर और उनकी कहानी भावुक कर देने वाली है। तीन साल की उम्र में मां को खो देने के बाद अनिकेत के मन में उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकी। वह अक्सर चुप रहते, अपने ही ख्यालों में खोए रहते थे। यहीं से कहानी में एंट्री होती है उनके अंकल अमित वर्मा की। खुद किशोर उम्र में थे, लेकिन जिम्मेदारी का बोझ अचानक कंधों पर आ गया। उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया कि अनिकेत को झांसी से भोपाल ले जाएंगे। उन्होंने तय किया कि अनिकेत को एक बेहतर माहौल देना होगा। भोपाल में ही अनिकेत की दादी पार्वती वर्मा रहती थीं। यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन यही कदम आगे चलकर अनिकेत की जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। अमित ने कहा, अनिकेत हमेशा मेरे और मां के करीब था, इसलिए हमने उसे भोपाल लाने का फैसला किया।

भोपाल में दादी पार्वती वर्मा के साथ अमित और अनिकेत का नया जीवन शुरू हुआ, लेकिन यह सफर आसान नहीं था। अमित ने 18 साल से पहले ही काम करना शुरू कर दिया ताकि अनिकेत की परवरिश और पढ़ाई–लिखाई का खर्च उठा सकें। वह एक छोटे से वाहन शोरूम में काम करते थे और करीब 3000 रुपये महीने कमाते थे। इतनी कम आमदनी में घर चलाना ही मुश्किल था, लेकिन उन्होंने अनिकेत के सपनों को कभी छोटा नहीं होने दिया। अनिकेत का मन सिर्फ क्रिकेट में लगता था। वह खाते–पीते, सोते–जागते सिर्फ क्रिकेट के बारे में सोचते थे, लेकिन आर्थिक हालात इतने मजबूत नहीं थे कि महंगे क्रिकेट किट और ट्रेनिंग का खर्च आसानी से उठाया जा सके। अमित ने न्यू इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक

इंटरव्यू में बताया, कई बार मुझे कर्ज लेना पड़ा ताकि मैं उसके लिए क्रिकेट का सामान ला सकूं। मैंने ठान लिया था कि उसे किसी चीज की कमी नहीं होने दूंगा। शुरुआत में अनिकेत ने रेलवे अकादमी में ट्रेनिंग ली, लेकिन वहां उनकी प्रतिभा सीमित होती नजर आ रही थी। तभी कोचों ने सुझाव दिया कि उन्हें बेहतर ट्रेनिंग की जरूरत है। ऐसे में उन्हें ज्योति प्रकाश त्यागी की क्रिकेट अकादमी में भेजा गया। कोच ज्योति प्रकाश त्यागी ने अनिकेत की प्रतिभा को पहचाना और बिना फीस के ट्रेनिंग देने का फैसला किया। उन्होंने न सिर्फ कोचिंग दी, बल्कि जरूरत पड़ने पर क्रिकेट किट भी उपलब्ध कराई। त्यागी बताते हैं, जब अनिकेत 12–13 साल का था, तब ही मुझे पता था कि यह लड़का बहुत आगे जाएगा। उसमें बड़े शॉट खेलने की क्षमता शुरू से थी। करीब 13 साल तक लगातार मेहनत और संघर्ष के बाद अनिकेत को पहचान मिलनी शुरू हुई। लेकिन यह रास्ता आसान नहीं था। कई बार टीम में जगह नहीं मिली, कई बार निराशा हाथ लगी। फिर आया मध्य प्रदेश लीग का मौका। भोपाल लेपर्ड्स के लिए खेलते हुए उन्होंने छह पारियों में 273 रन बनाए। एक मैच में 41 गेंदों पर 123 रन की विस्फोटक पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। इस पारी में उन्होंने 13 छक्के और आठ चौके लगाए थे। यही वह पल था जिसने उनके करियर को नई दिशा दी।

इसके बाद कई आईपीएल टीमों ने उन्हें ट्रायल के लिए बुलाया। इनमें दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपरजाएंट्स शामिल हैं। आखिरकार सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 30 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। यह सिर्फ एक कॉन्ट्रैक्ट नहीं था, बल्कि उस संघर्ष की जीत थी जो वर्षों से जारी था। वह पहली बार आईपीएल 2025 में खेलते दिखे और 14 मैचों में 26.22 की औसत और 166.20 के स्ट्राइक रेट से 236 रन बनाए। इनमें एक अर्धशतक शामिल था। उन्होंने 12 चौके 20 छक्के जड़ दिए। उन्होंने अपने तीसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 41 गेंदों पर ताबड़तोड़ 74 रन बनाकर अपनी मौजूदगी का एलान कर दिया। वह 25ध्3 के स्कोर पर बल्लेबाजजी करने आए और छह छक्के जड़े।यह सिर्फ एक पारी नहीं थी, बल्कि उन सभी संघर्षों का जवाब था जो उन्होंने बचपन से झेले थे। आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अनिकेत ने 18 गेंदों में 43 रन की तूफानी पारी खेली। इस पारी में पांच चौके और छह छक्के शामिल थे।

दिलचस्प बात यह है कि 2025 में आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट पाने के बाद भी अनिकेत ने ज्यादा इंटरव्यू नहीं दिए। वह हमेशा मानते थे कि उनका खेल ही उनकी पहचान बनाएगा। उनकी यह सोच उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने यह साबित भी कर दिया। जब मौका मिला, तो उन्होंने मैदान पर अपने खेल से सबको जवाब दिया। अमित के लिए सबसे बड़ा डर यही था कि अगर अनिकेत सफल नहीं हुआ तो लोग उन्हें दोष देंगे। अमित ने न्यू इंडियन एक्सप्रेस को बताया, श्अगर वह सफल नहीं होता, तो लोग कहते कि मैंने उसकी जिंदगी खराब कर दी।श लेकिन आज वही फैसला उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया है और आज लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। अनिकेत का अब तक का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है, खासकर उस मुश्किल शुरुआत को देखते हुए जहां से उन्होंने कदम बढ़ाए थे। इस पूरी यात्रा में उनकी दादी पार्वति वर्मा, उनके चाचा अमित वर्मा, कोच ज्योति त्यागी और उन सभी लोगों का अहम योगदान रहा है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में उनका साथ दिया। अब हर किसी को उम्मीद है कि यहां से अनिकेत की कहानी और भी ऊंचाइयों को छुएगी।

चेन्नई के खिलाफ 15 रन बनाते ही रवींद्र जडेजा बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बनेंगे

गुवाहाटी,एजेंसी। आईपीएल 2026 का तीसरा मुकाबला सोमवार को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है। इस मुकाबले में रवींद्र जडेजा के पास बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। जडेजा अपनी पुरानी टीम सीएसके के खिलाफ 15 रन बनाते ही टी20 में अपने चार हजार रन पूरे कर लेंगे। राजस्थान ने संजू सैमसन के बदले जडेजा और सैम करन को सीएसके से ट्रेड किया था। करन चोटिल होने की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में चार हजार और 200 विकेट लेने का कारनामा अब तक सिर्फ हार्दिक पांड्या कर सके हैं। हालांकि, जडेजा अगर चेन्नई के खिलाफ 15 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह यह मुकाम हासिल करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। जडेजा ने अब तक खेले 346 टी20 मुकाबलों में 130 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 3,985 रन बनाए हैं। वहीं, इस फॉर्मेट में वह 235 विकेट निकाल चुके हैं। जडेजा का रिकॉर्ड आईपीएल में दमदार रहा है। उन्होंने इस लीग में अब तक खेले 254 मुकाबलों में 130 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 3,260 रन बनाए हैं। जडेजा आईपीएल में पांच अर्धशतक लगा चुके हैं। अपने आईपीएल करियर में जडेजा 170 विकेट निकाल चुके हैं। जडेजा इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों के लिस्ट में अभी 10वें नंबर पर मौजूद हैं। चेन्नई के खिलाफ एक विकेट लेते ही जडेजा आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में लसिथ मलिंगा से आगे निकल जाएंगे।

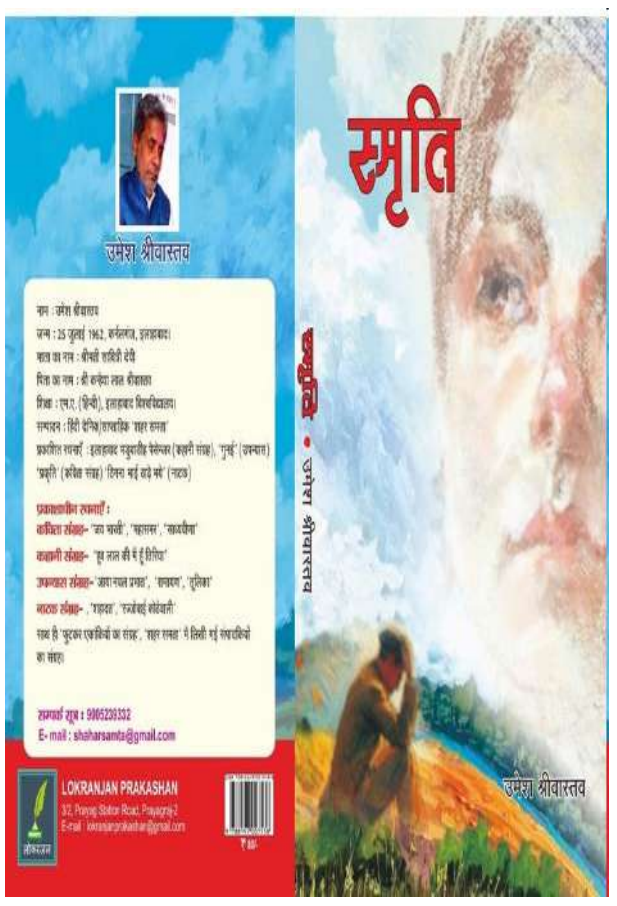

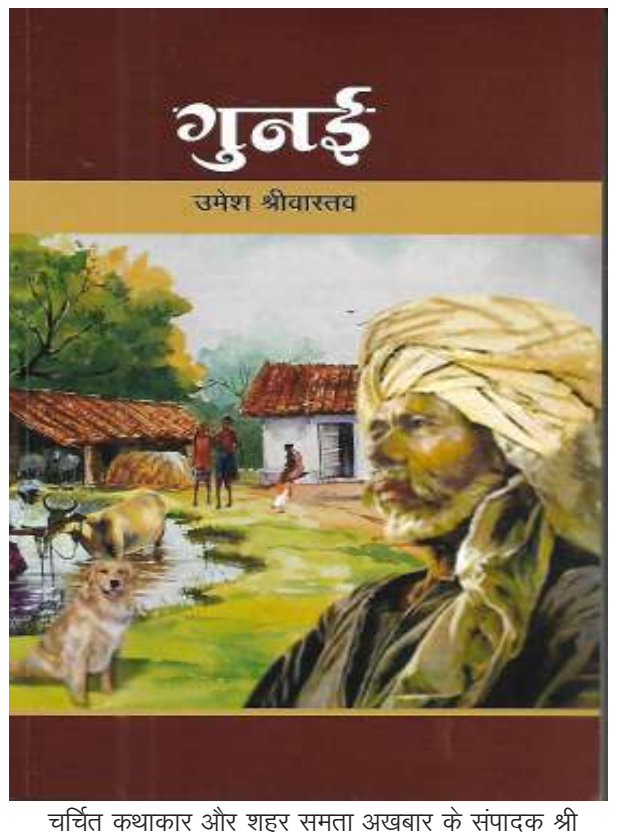

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

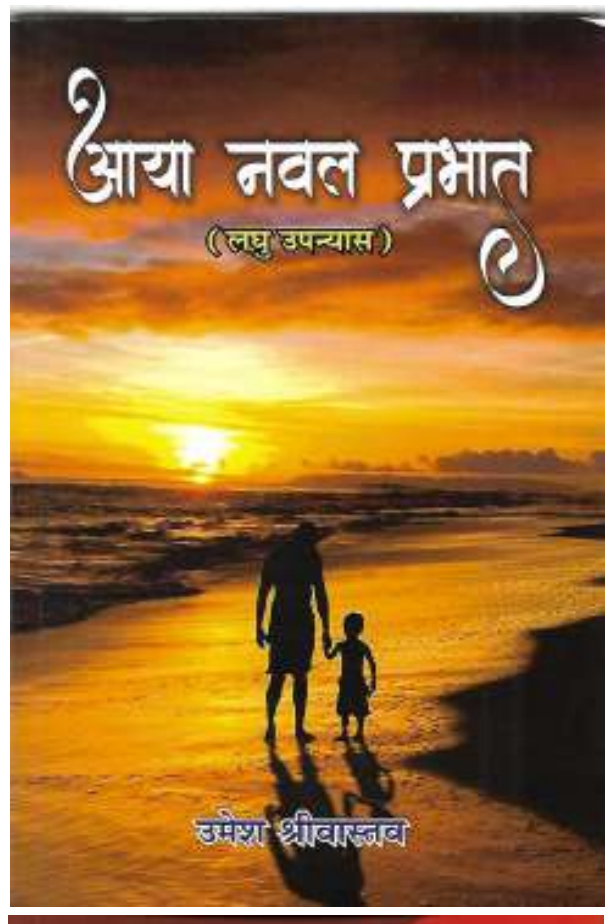

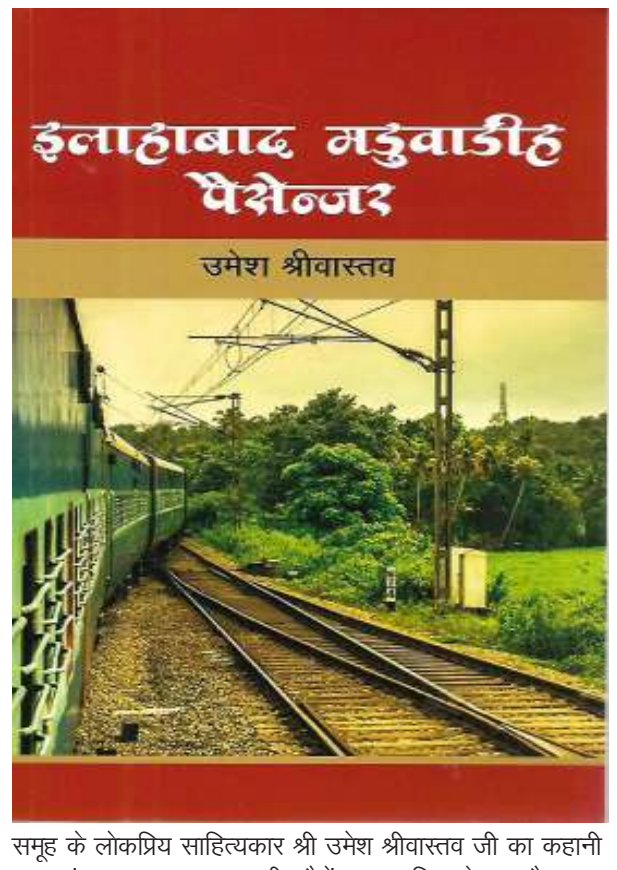

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

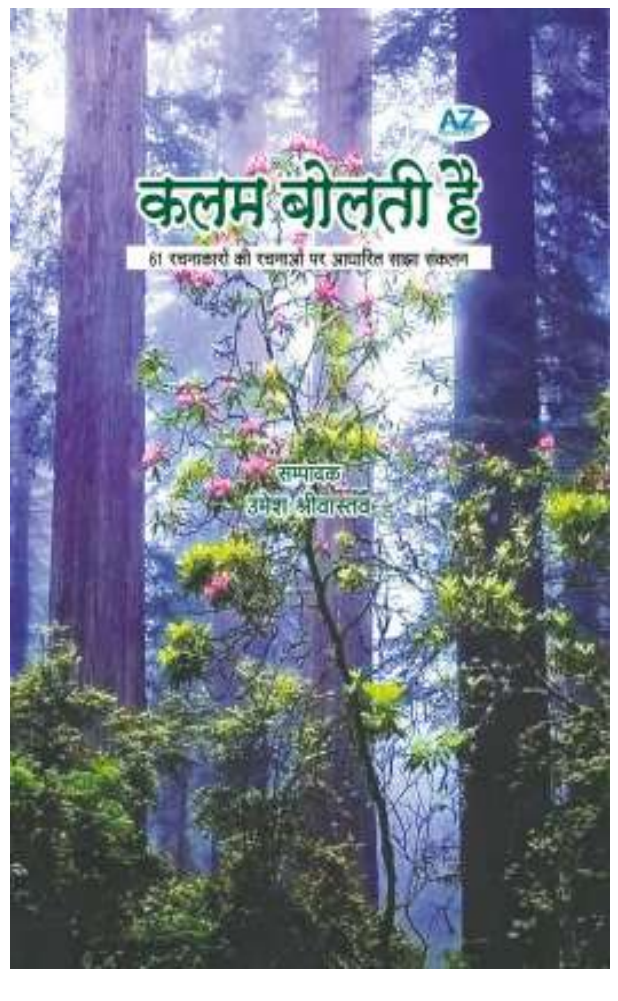

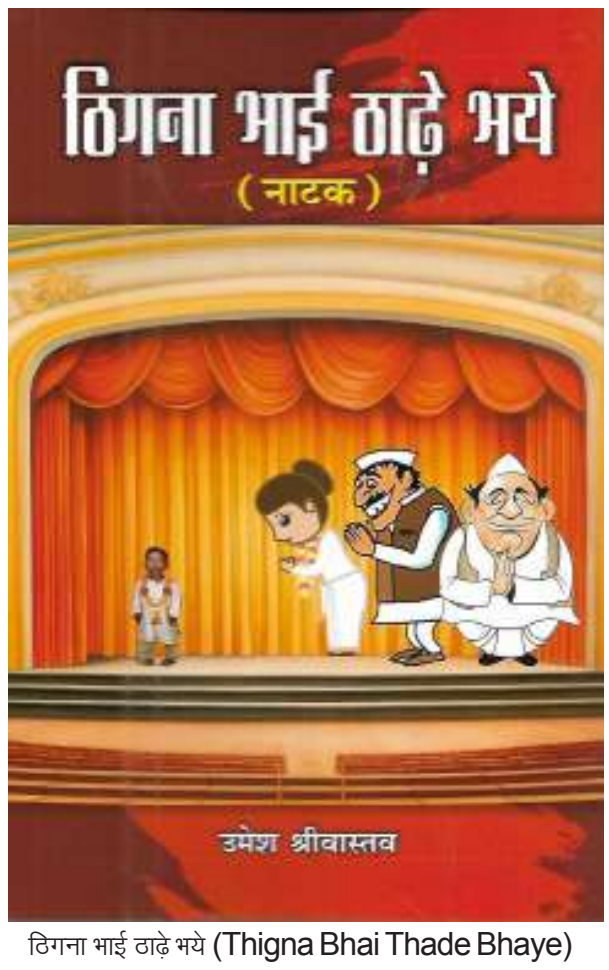

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तानी आतंकवाद पर आंखें मूंद रहा अमेरिका, इससे भारत में नाराजगी, संबंधों पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए। अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में अहम दावा इस सप्ताह थिंक टैंक श्सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटीश द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। श्रिपेयरिंग द ब्रीचरू गेटिंग यूएस–इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैकश शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा

हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और संबंधों को सुधारने में समय लगेगा। लिसा कर्टिस, कीर्ति मार्टिन और सितारा गुप्ता द्वारा लिखित इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत–अमेरिका संबंध गंभीर रूप से डगमगा गए थे। इसके पीछे भारत–पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर मतभेद और भारतीय सामान पर अमेरिका द्वारा लगाया गया भारी–भरकम टैरिफ जैसे मुद्दे शामिल थे। व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति से फिर से पटरी पर लौटे संबंध रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 में अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने से दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की गई है, लेकिन विश्वास बहाली के लिए लगातार प्रयास करने जरूरी होंगे। रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि भारत और अमेरिका के आर्थिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंध भले ही मजबूत बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर मतभेद अभी भी मूलभूत बने हुए हैं। पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद को लेकर भारत निराश रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली, पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद पर अमेरिका द्वारा ध्यान न दिए जाने से निराश है। रिपोर्ट में कश्मीर मुद्दे पर किसी भी बाहरी हस्तक्षेप के प्रति भारत के लंबे समय से चले आ रहे विरोध को भी फोकस किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अमेरिका की ओर से मध्यस्थता के संकेत देने वाले बयान आपसी विश्वास को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। संबंधों को सुधारने के लिए रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि अमेरिका को भारत–पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की बात करने से बचना चाहिए और आपसी सहमति वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दोनों देश रक्षा सहयोग को कर रहे लगातार मजबूत हालांकि, रिपोर्ट में रक्षा सहयोग में तेजी से आ रही मजबूती का भी उल्लेख किया है। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष 10 वर्षीय रक्षा ढांचा समझौते का नवीनीकरण किया, जिसमें खुफिया जानकारी साझा करना, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग शामिल है। आर्थिक संबंधों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। इस वर्ष की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते में टैरिफ में कमी और प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की प्रतिबद्धता शामिल है। रिपोर्ट में ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और उन्नत प्रौद्योगिकियों कृजैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर को आपसी सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बताया गया है। इसमें कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत के सुधार और महत्वपूर्ण खनिजों में निवेश, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में दोनों देश काम कर रहे हैं, खासकर तब जब दोनों देश चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, भारत की डिजिटल अवसंरचना और डेटा सेंटर में अमेरिका का निवेश दीर्घकालिक तकनीकी परस्पर निर्भरता को मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि जब तक राजनीतिक अविश्वास को दूर नहीं किया जाता, तब तक इन उपलब्धियों पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में आतंकवाद–रोधी सहयोग पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत बताई गई है, जिसमें आतंक के वित्तपोषण को रोकना और वैश्विक मंचों पर समन्वय बढ़ाना शामिल है। अंत में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, हिंद प्रशांत क्षेत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भारत–अमेरिका संबंधों की दिशा, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन तय करने में अहम होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस साझेदारी की गुणवत्ता यह तय करेगी कि क्षेत्र में शक्ति संतुलन बना रहेगा या चीन प्रमुख ताकत के रूप में उभरेगा।

संक्षिप्त

ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति: देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को उत्तरी गोलार्ध में सुरक्षा ढांचे को फिर से परिभाषित करने वाला नया श्ग्रेटर नॉर्थ अमेरिकाश रणनीति का एलान किया।

उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है। तत्काल सुरक्षा सीमा का हिस्सा हेगसेथ ने कहा ग्रीनलैंड से इक्वाडोर और अलास्का से गुयाना तक हर स्वतंत्र देश और क्षेत्र ग्लोबल साउथ का हिस्सा नहीं है। यह हमारे इस महान पड़ोस में तत्काल सुरक्षा सीमा का हिस्सा है। उन्होंने भूगोल की भूमिका को भी रेखांकित किया और अमेजन और एंडीज पर्वत जैसी प्राकृतिक बाधाओं का हवाला दिया, जो उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के रणनीतिक जिम्मेदारियों को अलग करती हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों के सहयोग से उत्तरी गोलार्ध में अपनी सैन्य उपस्थिति और क्षमता को मजबूत करेगा। हेगसेथ ने आगे कहा ष्उत्तरी गोलार्ध में अमेरिका को अपनी उपस्थिति और ताकत बढ़ानी होगी ताकि हम साझा सुरक्षा सीमा की रक्षा कर सकें। हर देश या तो उत्तरी अटलांटिक या उत्तरी प्रशांत से जुड़ा है और प्रत्येक देश अमेजन और एंडीज पर्वत जैसी प्राकृतिक बाधाओं के उत्तर में स्थित है। साथ ही उन्होंने भूमध्य रेखा के दक्षिण में देशों के लिए बोझ साझा करने की आवश्यकता जताई, ताकि दक्षिण अटलांटिक और दक्षिणी प्रशांत क्षेत्रों में सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। हेगसेथ ने द्वितीय विश्व युद्ध का हवाला देते हुए कहा कि इस रणनीति में क्वार्टर स्फीयर डिफेंस जैसी पद्धति को दोहराया जाएगा। उन्होंने कहा जैसे हमने WWII में टॉरपीडो से जहाज डुबाए थे, हम इसे फिर से करेंगे।

इस्राइली हमले में ईरान के खोंडाब हेवी वाटर प्लांट को भारी नुकसान, IAEA ने कहा- ठप हुआ परिचालन

विएना, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल ने ईरान के खोंडाब (अराक) हेवी वाटर प्लांट पर हवाई हमला किया। अब अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि यह प्लांट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है और अब काम नहीं कर रहा है। आईएईए के अनुसार, यह जानकारी सैटेलाइट तस्वीरों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दी गई है। खोंडाब प्लांट क्यों है इतना अहम? यह प्लांट ईरान के अराक शहर के पास स्थित है और इसे अराक न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स भी कहा जाता है। यहां श्हेवी वाटरश बनाया जाता है, जो खास तरह के परमाणु रिएक्टर में इस्तेमाल होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे रिएक्टर से प्लूटोनियम भी बनाया जा सकता है, जिसका उपयोग परमाणु हथियारों में किया जा सकता है। यही वजह है कि यह प्लांट लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय रहा है। IAEA की रिपोर्ट में क्या कहा गया? आईएईए ने साफ कहा है कि प्लांट को गंभीर नुकसान हुआ है, यह अब ऑपरेशनल नहीं है और यहां कोई घोषित परमाणु सामग्री मौजूद नहीं थी। इसका मतलब है कि रेडिएशन या तत्काल परमाणु खतरे की संभावना नहीं बताई गई है। इस्राइल ने क्यों किया हमला? इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया कि यह हमला खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया। उनका कहना है कि यह प्लांट ईरान के परमाणु कार्यक्रम का अहम हिस्सा था। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद इसे पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया और यहां से भविष्य में हथियार–ग्रेड प्लूटोनियम बनने का खतरा था। इस्राइल सेना ने इस ऑपरेशन को श्राइजिंग लॉयनश नाम दिया है। बढ़ता तनाव और आगे का खतरा इस हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। ईरान और इस्राइल के बीच पहले से ही तनाव चरम पर है, और अब इस तरह की कार्रवाई से हालात और बिगड़ सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक हलचल तेज हो सकती है।

1973 के बाद सबसे गंभीर संकट: होर्मुज के चलते रोजाना 8-10 मिलियन बैरल तेल आपूर्ति ठप, कीमतों में लंबी उछाल तय

एजेंसी/ईरान युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार गहरे संकट में प्रवेश कर चुका है। एस एंड पी ग्लोबल के सीईआरए वीक सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों के सीईओ ने चेतावनी दी कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रोजाना 8द्द10 मिलियन (80–100 करोड़) बैरल तेल और वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का करीब 20: बाजार से बाहर हो गया है। इससे जेट फ्यूल, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति में भी अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है, जिसकी लहर एशिया से यूरोप तक तेजी से फैल रही है और कीमतों में दीर्घकालिक उछाल अब लगभग तय माना जा रहा है। कॉनोकोफिलिप्स के सीईओ रयान लांस ने स्पष्ट कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में तेल और गैस को वैश्विक बाजार से हटाने के गंभीर परिणाम अपरिहार्य हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

चीन-उत्तर कोरिया के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू, कोरोना महामारी की शुरुआत से थी बंद

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर चाइना ने सोमवार को राजधानी बीजिंग और उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी। यह कदम दोनों देशों के बीच यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के कुछ ही समय बाद उठाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की इस उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग याजुन और अन्य राजनयिकों ने किया। इससे पहले, 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा भी दोबारा शुरू की गई थी। कोरोना महामारी की शुरुआत से बंद थी ट्रेन और हवाई सेवाएं कोविड–19 महामारी की शुरुआत के बाद से चीन ने

उत्तर कोरिया के लिए उड़ान और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दीं थी। हालांकि, उत्तर कोरिया की एयरलाइन एयर कोरियो ने 2023 में ही दोनों देशों की राजधानियों के बीच उड़ान सेवा बहाल कर दी थी। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने सभी विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन अब वह धीरे–धीरे इन पाबंदियों में ढील दे रहा है। 2024 में रूस के पर्यटक समूहों ने उत्तर कोरिया का दौरा शुरू कर दिया था। उत्तर कोरिया जाने वाले पर्यटकों में 90 फीसदी चीनी पर्यटक की संख्या थी प्रतिबंध से पहले उत्तर कोरिया आने वाले कुल पर्यटकों में लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी चीनी पर्यटकों की थी। ऐसे में चीनी पर्यटकों की वापसी में हो रही देरी ने विशेषज्ञों को चौंकाया था। अब ट्रेन और हवाई सेवाओं की बहाली से चीनी पर्यटकों की उत्तर कोरिया में आमद बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। चीन और उत्तर कोरिया के संबंध मजबूत चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और प्रमुख सहयोगी है। हालांकि, बीजिंग ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए मिसाइल परीक्षणों पर असंतोष भी जताया है, जो दक्षिण कोरिया और अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम हो सकते हैं। इस बीच, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सितंबर में बीजिंग का दौरा किया था और एक भव्य सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यह दशकों में पहली बार था जब किसी उत्तर कोरियाई नेता ने चीनी सैन्य परेड में शिरकत की थी।

राष्ट्रपति ट्रंप के विमान एयर फोर्स वन की सुरक्षा में बड़ी चूक, तुरंत भेजे गए एफ-16 लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में रविवार को उस समय भारी चूक हुई, जब एक नागरिक विमान ने राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन के करीब उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया। जिसके चलते अफरा–तफरी का माहौल बन गया और तुरंत एफ–16 लड़ाकू विमानों को सुरक्षा के लिए भेजा गया और फ्लेयर्स का

इस्तेमाल किया गया। नागरिक विमान ने एयर फोर्स वन के उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, घटना रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घटी। घटना के चलते अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही रोक दी और नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के विमानों को तुरंत रवाना कर नागरिक विमानों को रोक लिया गया। हालांकि व्हाइट हाउस ने बताया कि न तो एयर फोर्स वन और न ही राष्ट्रपति ट्रंप को खतरा था। NORAD द्वारा जारी बयान के अनुसार, एफ–16 लड़ाकू विमानों ने 29 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1.15 बजे पाम बीच के ऊपर विमान को रोका। नागरिक विमान ने उस क्षेत्र में लागू अस्थायी उड़ान प्रतिबंध का उल्लंघन किया था। इसके बाद नागरिक विमान को तुरंत प्रतिबंधित क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान लड़ाकू विमान के पायलट ने नागरिक विमान को संकेत देने और निर्देश देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया। व्हाइट हाउस ने दी जानकारी व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एक नागरिक विमान पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई नियंत्रण टावर से कुछ समय के लिए संपर्क से बाहर हो गया था, लेकिन अंततः संपर्क स्थापित हो गया और विमान की लैंडिंग को रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि ड्रोन की घुसपैठ नहीं हुई और राष्ट्रपति के विमान एयर फोर्स वन को लेकर कोई चिंता नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ईरानी तेल पर नजर या जंग की तैयारी ?: खर्ग द्वीप पर कब्जे के संकेत! ट्रंप के बयान से पश्चिम एशिया में अनिश्चितता

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजारों में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने साफ तौर पर कहा कि वह ईरान का तेल लेना पसंद करेंगे और जरूरत पड़ने पर अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप पर कब्जा भी कर सकता है। ईरान का तेल लेने की बात क्यों? फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा शायद हम खर्ग द्वीप ले लें, शायद नहींश हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।खर्ग द्वीप ईरान का सबसे अहम तेल निर्यात हब है, जहां से देश का अधिकांश कच्चा तेल दुनिया भर में भेजा जाता है। ऐसे में इस द्वीप पर कब्जा करना सीधे तौर पर ईरान की अर्थव्यवस्था पर बड़ा झटका होगा। अमेरिकी सेना ने कई प्रमुख लक्ष्य ढेर किए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक संदेश साझा करते हुए कहा कि ईरान में आज का दिन खास रहा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सशस्त्र बलों ने कई लंबे समय से खोजे जा रहे लक्ष्यों को ढेर कर दिया है और वे अब ध्वस्त हो चुके हैं। ट्रंप ने अपने बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह सेना दुनिया की सबसे श्रेष्ठ और घातक है। साथ ही उन्होंने सभी के लिए ईश्वर का आशीर्वाद भी मांगा। युद्ध के बढ़ते संकेत रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका पहले ही पश्चिम एशिया में अपने सैन्य बल को मजबूत कर चुका है। करीब 10,000 सैनिकों की तैनाती की योजना बनाई गई है, जिनमें मरीन और एयरबोर्न डिवीजन के जवान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर खार्ग द्वीप पर हमला होता है, तो यह संघर्ष को और खतरनाक बना सकता है और अमेरिका को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बातचीत की कोशिश भी जारी हालांकि युद्ध के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। ट्रंप ने दावा किया कि पाकिस्तान के जरिए ईरान से अप्रत्यक्ष बातचीत हो रही है और 6 अप्रैल तक समझौते का समय दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर सकता है। तेल बाजार में उछाल पश्चिम एशिया संकट का असर सीधे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जो पिछले एक महीने में 50: से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्शाता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खार्ग द्वीप प्रभावित होता है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ेगा। संघर्ष का दायरा बढ़ा ईरान और इस्राइल के बीच शुरू हुआ यह युद्ध अब कई देशों को अपनी चपेट में ले रहा है। हाल ही में सऊदी अरब स्थित एक अमेरिकी एयरबेस पर हमला हुआ, जिसमें अमेरिकी सैनिक घायल हुए। वहीं यमन के हूती विद्रोहियों ने भी इस्राइल की ओर मिसाइल दागी है।

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला, एक भारतीय की मौतय पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत में ईरान की ओर से हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। कुवैत के बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को हुए इस हमले में एक बड़े पावर और पानी के डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के एक महीने के दौरान भारतीय नागरिकों की मौतों की संख्या आठ हो गई है। हमले के बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीम तैनात मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रामक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें। सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं। भारतीय दूतावास, कुवैत ने मृतक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण निधन बताया। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा श्दूतावास कुवैती अधिकारियों के साथ मिलकर सभी संभव सहायता प्रदान करने के लिए निकटता से काम कर रहा है।श कुवैती अधिकारियों ने इस हमले को सामूहिक और क्रूर बताया, हालांकि उन्होंने हमले के प्लांट की पहचान नहीं कराई। लेबनान में भी बढ़ रहा तनाव इधर, लेबनान में भी तनाव बढ़ता दिख रहा है। दक्षिणी लेबनान के अडचित अल–कुसैर इलाके में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआईएफआईएल) के ठिकाने पर एक प्रोजेक्टाइल गिरने से एक शांति सैनिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएनआईएफआईएल ने कहा कि यह प्रोजेक्टाइल कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

वेस्ट बैंक में सीएनएन टीम से मारपीट के बाद आईडीएफ का बड़ा एक्शन

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्स ने वेस्ट बैंक में अमेरिकी न्यूज चौनल सीएनएन की टीम के साथ मारपीट और हिरासत के मामले में बड़ा कदम उठाते हुए एक रिजर्व बटालियन की सभी ऑपरेशनल गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार्रवाई उस घटना के करीब 48 घंटे बाद की गई है, जिसमें सीएनएन की टीम को कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों ने रोका, हिरासत में लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।